A Daily News Magazine

इंदौर

शनिवार, 7 सितम्बर , 2024

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 312, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

प्रसंगवश

हरियाणा विधानसभा चुनाव जीतने के लिए बीजेपी की कैसी है तैयारी

सुशील मानव

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सत्ता विरोधी लहर के बावजूद राज्य में हैट्रिक बनाने के लिए सभी दांव खेलने की कोशिश की है। बुधवार को जारी की गई 67 नामों वाली सूची में 25 नए चेहरे - मौजूदा निर्वाचन क्षेत्र से अलग- निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतरे विधायक, दलबदलू नेता शामिल हैं।

वहीं, भाजपा ने राज्य में अपने प्रभावशाली नेताओं को खुश करने के लिए वंशवाद की राजनीति और 75 साल की उम्र में सेवानिवृत्ति के अलिखित नियम के खिलाफ अपने बार-बार दोहराए जाने वाले सैद्धांतिक रुख को ताक पर रख दिया है। सूची में पांच टिकट ऐसे नेताओं को दिए गए हैं जो 2019 के विधानसभा चुनाव में चुनाव हार गए थे। मुख्यमंत्री नायब सैनी समेत चार विधायकों की सीटें बदल दी गई हैं और आठ मौजूदा विधायकों को टिकट नहीं दिया गया है। करनाल से विधायक सैनी अब लाडवा सीट से चुनाव लड़ेंगे। इसी तरह, हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष और नलवा विधायक रणबीर गंगवा को नलवा की जगह बरवाला से टिकट दिया गया है, जबकि कोसली विधायक लक्ष्मण यादव को कोसली की जगह रेवाड़ी से टिकट दिया गया है। अगर जाति के नज़रिए से सूची को देखें तो ऐसा लगता है कि भाजपा ने उन समुदायों के लोगों को बड़ी संख्या में टिकट बांटे हैं, जिन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों में बड़ी संख्या में उसे वोट नहीं दिया था।

भाजपा ने सबसे ज्यादा सीटें (41) तीन समुदायों को दी हैं- एससी (अनुसूचित जाति), ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) और जाट. पार्टी ने 13 सीटों पर एससी, 15 पर ओबीसी और 13 पर जाट उम्मीदवार उतारे हैं। पहली सूची में 67 उम्मीदवारों में से केवल आठ महिलाएं हैं। इसके अलावा, 10 दलबदलुओं को टिकट दिया गया है।

सबसे बुजुर्ग उम्मीदवार रामकुमार गौतम (78) हैं, जिन्हें सफीदों से मैदान में उतारा गया है, जबकि सबसे युवा उम्मीदवार दीपक हुड्डा (30) हैं, जिन्हें महम से मैदान में उतारा गया है और मंजू हुड्डा (30) हैं, जिन्हें गढ़ी सांपला किलोई से मैदान में उतारा गया है।

हालांकि, भाजपा के मुख्य वोट बैंक-ब्राह्मण, वैश्य और पंजाबी समुदाय - को पहली सूची में केवल 24 टिकट दिए गए थे। 2024 के लोकसभा चुनावों में जाटों और एससी के एक बड़े बहुमत ने सत्तारूढ़ पार्टी का विरोध किया। साथ ही, भाजपा को ओबीसी वोट बैंक से अपेक्षित समर्थन नहीं मिला, जिसके परिणामस्वरूप पार्टी हरियाणा में 10 में से केवल पांच सीटें जीत पाई। दिल्ली में सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) की शोधकर्ता ज्योति मिश्रा ने बताया कि हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा की पहली सूची मौजूदा विधायकों के स्थानीय प्रभाव का सावधानीपूर्वक आकलन करते हुए सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला करने की एक सुनियोजित रणनीति को दर्शाती है। 90-सदस्यीय विधानसभा सीटों में से 67 के लिए उम्मीदवारों की घोषणा करके पार्टी नए लोगों और अनुभवी नेताओं के बीच संतुलन बनाना चाहती है, जिससे पार्टी की अपील को फिर से जीवंत करने के लिए नए चेहरों की अहमियत को पहचाना जा सके।

यह दृष्टिकोण ऐसे समय में सामने आया है जब कांग्रेस पार्टी भाजपा के उम्मीदवारों के चयन या शासन रिकॉर्ड में किसी भी तरह की कमज़ोरी का फायदा उठाना चाहती है।

ज्योति ने कहा कि पार्टी ने दलबदलुओं को भी मान्यता दी है, जिनमें श्रुति चौधरी शामिल हैं, जो पहले कांग्रेस में थीं और जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के तीन विधायक शामिल हैं। पार्टी ने इन निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी के चुनावी आधार का विस्तार करने के उद्देश्य से उन्हें उनके गढ़ों से चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिए हैं।

कुलदीप बिश्नोई के बेटे भव्य बिश्नोई, किरण चौधरी की बेटी श्रुति चौधरी, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत की बेटी आरती राव, पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान के बेटे सुनील सांगवान और पूर्व मंत्री विनोद शर्मा की पत्नी शक्ति रानी शर्मा को टिकट दिए गए हैं। सुनील, जिनके सुनारिया जेल अधीक्षक के कार्यकाल के दौरान बलात्कार के दोषी और डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को छह बार पैरोल या फरलो पर रिहा किया गया था, उन्हें पहलवान बबीता फोगाट की जगह चरखी दादरी से टिकट दिया गया है।सुनील ने वीआरएस (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना) ली और इस सप्ताह की शुरुआत में भाजपा में शामिल हो गए। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए कांग्रेस की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर लिखा, 'कौन इतना नादान है जो इस खबर से हैरान हैं?'

सुनील पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान के बेटे हैं, जो 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। वे चरखी दादरी से पूर्व विधायक हैं। बबीता फोगाट को टिकट न दिए जाने की भरपाई के लिए पार्टी ने भारतीय कबड्डी टीम के पूर्व कप्तान दीपक हुड्डा को महम से मैदान में उतारा है। 2019 के विधानसभा चुनाव और 2020 में हुए उपचुनाव में उन्होंने पानीपत की बड़ौदा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। हालांकि, 2019 में वे कांग्रेस उम्मीदवार कृष्ण हुड्डा और 2020 में इंदु राज नरवाल से हार गए थे। उन्होंने दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय नेताओं से भी मुलाकात की थी, लेकिन पार्टी ने गोहाना से पूर्व सांसद डॉ. अरविंद शर्मा को मैदान में उतारा। 2019 के लोकसभा चुनाव में शर्मा ने रोहतक में दीपेंद्र हुड्डा को हराया था, लेकिन 2024 के आम चुनाव में उनसे हार गए।

इसके अलावा, 2019 में हारने वाले पांच विधायकों को टिकट दिया गया है। इनमें सढौरा से बलवंत सिंह, नीलोखेड़ी (एससी) से भगवानदास कबीरपंथी, इसराना (एससी) से राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार, नारनौंद से कैप्टन अभिमन्यु और बादली से ओम प्रकाश धनखड़ शामिल हैं। पंवार आगामी विधानसभा चुनाव में मैदान में उतरने वाले भाजपा के एकमात्र मौजूदा सांसद हैं। वे हरियाणा भाजपा के लिए एक प्रमुख दलित चेहरा हैं और 2014 से 2019 तक मनोहर लाल खट्टर की सरकार में परिवहन मंत्री थे। राव नरबीर सिंह को भाजपा ने बादशाहपुर से टिकट दिया है, जिन्होंने 2014 में इसी सीट से विधानसभा चुनाव जीता था और खट्टर की सरकार में कैबिनेट मंत्री बने थे, इसे पार्टी द्वारा केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह को नज़रअंदाज करने के कदम के रूप में देखा जा रहा है। 2019 के विधानसभा चुनावों में राव इंद्रजीत सिंह ने राव नरबीर सिंह को टिकट देने से इनकार कर दिया था, जिन्होंने पहले घोषणा की थी कि अगर भाजपा उन्हें टिकट देने से इनकार करती है तो वे कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

प्रथमं वक्रतुण्डं च एकदन्तं
द्वितीयकम् ।।
तृतीयं कृष्णपिङ्गाक्षं गजवक्त्रं
चतुर्थकम् ।।2।।
लम्बोदरं पञ्चमं च षष्ठं विकटमेव
च ।।
सप्तमं विघ्नराजेन्द्रं धूम्रवर्णं
तथाष्टमम् ।।3।।
नवमं भालचन्द्रं च दशमं तु
विनायकम् ।
एकादशं गणपतिं द्वादशं तु
गजाननम् ।।4।।
द्वादशैतानि नामानि त्रिसंध्यं यः
पठेन्नरः ।
न च विघ्नभयं तस्य
सर्वसिद्धिकरं प्रभो ।।5।।
विद्यार्थी लभते विद्यां धनार्थी
लभते धनम् ।
पुत्रार्थी लभते पुत्रान् मोक्षार्थी
लभते गतिम् ।।6।।
जपेत् गणपतिस्तोत्रं षड्भिर्मासैः
फलं लभेत् ।
संवत्सरेण सिद्धिं च लभते नात्र
संशयः ।।7।।
अष्टभ्यो ब्राह्मणेभ्यश्च लिखित्वा
यः समर्पयेत् ।
तस्य विद्या भवेत्सर्वा गणेशस्य
प्रसादतः ।।8।।
इति श्री नारदपुराणे संकटविनाशनं
श्रीगणपतिस्तोत्रं संपूर्णम् । [1]

आज विराजेंगे विघ्नहर्ता घर-घर होगी स्थापना

सुमुख योग का बन रहा सुंदर संयोग,दिनभर में 3 विशेष मुहूर्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल 7 सितंबर को गणेश चतुर्थी है। इस दिन देशभर में गणपति स्थापना होगी। इसके लिए दिनभर में 3 मुहूर्त रहेंगे। मूर्ति स्थापना सूर्यास्त के पहले करने का विधान है। गणेश पुराण के मुताबिक गणपति का जन्म चतुर्थी तिथि और चित्रा नक्षत्र में मध्याह्न काल, यानी दिन के दूसरे पहर में हुआ था। ये शुभ काल सुबह 11.20 बजे से शुरू हो रहा है। 7 सितंबर दिन शनिवार से गणेश चतुर्थी का पर्व बहुत धूमधाम से मनाया जाएगा, यह पर्व हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से 10 दिनों तक गणेश उत्सव मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गणेशजी के जन्मोत्सव को गणेश चतुर्थी के नाम से जाना जाता है। इस दिन भगवान गणेश के विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की जाती है। 10 दिनों तक भगवान गणेश को घर में रखकर उत्सव मनाया जाता है और भक्त बप्पा की खूब सेवा भी कर सकते हैं। गणेश चतुर्थी पर इस बार सुमुख नाम का शुभ योग बन रहा है। ये गणेशजी का एक नाम भी है। इसके साथ पारिजात, बुधादित्य और सर्वार्थसिद्धि योग बन रहे हैं। ज्योतिषियों का मानना है कि इस संयोग में गणपति स्थापना का शुभ फल और बढ़ जाएगा। ग्रंथों के मुताबिक वैसे तो गणेशजी के कई रूप हैं, लेकिन भादों के महीने में आने वाली इस गणेश चतुर्थी पर सिद्धि विनायक रूप में गणेशजी को पूजने का विधान है।

कर्नाटक की पूर्व बीजेपी सरकार पर कोविड-फंड घोटाले का लगा आरोप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने पूर्व भाजपा सरकार पर कोविड फंड में करोड़ों रुपए के घोटाले का आरोप लगाया है। कांग्रेस का दावा है कि कोविड के दौरान राज्य को कुल 13 हजार करोड़ रुपए का फंड मिला था। इसमें लगभग 1000 करोड़ रुपए की हेराफेरी की गई। तब बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा की सरकार थी। कांग्रेस ने कोविड-19 मैनेजमेंट पर जस्टिस जॉन माइकल डी कुन्हा कमीशन की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के हवाले से घोटाले का दावा किया है। कर्नाटक सरकार में कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल ने बताया कि गुरुवार (5 सितंबर) को कैबिनेट मीटिंग में रिपोर्ट पर चर्चा हुई।

परिवार की वरिष्ठ महिला को 18000

भूमिहीनों को जमीन

- 2 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर भी ,जेके के लिए बीजेपी ने खोला चुनावी पिटारा
- जम्मू-कश्मीर के लिए बीजेपी का घोषणा पत्र जारी,5 लाख रोजगार का वादा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने शुक्रवार शाम अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। इस मौके पर गृहमंत्री अमित शाह ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 की कभी वापसी नहीं हो सकती है।

बीजेपी के इस घोषणापत्र में पार्टी ने महिलाओं से लेकर युवाओं छात्रों पर ज्यादा फोकस किया है। इसके साथ ही केंद्रीय अमित शाह ने पार्टी के घोषणापत्र का जिक्र करते हुए यह भी ऐलान किया कि राज्य के धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों का हर साल 3 हजार रुपए यातायात भत्ता दिया जाएगा। इसके अलावा 10वीं क्लास में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को टेबलेट और लैपटॉप मिलेगा। महिलाओं पर खास फोकस करते हुए गृहमंत्री ने ऐलान किया कि उज्जवला योजना के लाभार्थियों को हर साल 2 फ्री एलपीजी सिलेंडर दिए जाएंगे। अटल आवास योजना के जरिए भूमिहीन लोगों को 5 मरला जमीन मुफ्त दी जाएगा। जम्मू कश्मीर को लेकर जारी घोषणापत्र में कश्मीरी पंडितों के लिए पुनर्वास योजना शामिल किए जाने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि योजना बहुत विस्तृत होगी। हम पूर्ण पुनर्वास पर ध्यान देंगे। आतंकवाद के चरम पर रहने के दौरान कई कश्मीरी पंडित और सिख समुदाय के लोग चले गए थे, जिन्हें अपनी संपत्ति बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा।

जीएसटी कर अपवंचन प्रकरणों पर प्रभावी कार्यवाही हो : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अचल सम्पत्तियों के पंजीयन की दर का मूल्यांकन तिमाही आधार पर हो

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अचल सम्पत्तियों के पंजीयन की दर का मूल्यांकन तिमाही आधार पर किया जाए, जिन क्षेत्रों में विकास तथा अन्य गतिविधियों के परिणामस्वरूप बाजार मूल्य में बढ़ोत्तरी हुई है, उन क्षेत्रों की दर को उस अनुपात में बढ़ाया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि जीएसटी कर अपवंचन प्रकरणों के चिन्हांकन और प्रभावी कार्रवाई पर वाणिज्यिक कर विभाग विशेष रूप से ध्यान दें, इसके लिए डाटा एनालिसिस सहित आईटी प्लेटफार्म का उपयोग करते हुए फील्ड अधिकारियों की तकनीकी क्षमता को संवर्धित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देशित किया कि सभी कार्यवाहियां पारदर्शितापूर्ण तरीके से सुनिश्चित की जायें। उन्होंने कहा कि एंटी इवेजन ब्यूरो में उन्हीं की पदस्थापना हो, जिन्होंने ऑडिट और सर्कलों में अच्छा काम किया हो। साथ ही संबंधित अधिकारियों की रोटेशन से पदस्थापना हो। नियमानुसार कर जमा करने वाले व्यवसायियों को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मानित व पुरस्कृत किया जाए।

आबकारी नीति के संबंध में उत्तरप्रदेश मॉडल की उपयुक्तता का परीक्षण किया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अवैध मदिरा और आबकारी अपराधों पर नियंत्रण के लिए हर संभव कार्रवाई की जाए। आबकारी नीति में उत्तरप्रदेश मॉडल का अध्ययन कर मध्यप्रदेश में उसकी उपयुक्तता का आकलन किया जाए। बैठक में बताया गया कि पूर्व के निर्देशानुसार मदिरा की दुकानें नगर की सीमा से 1.5 किलोमीटर बाहर कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों और धार्मिक स्थलों के निकट मदिरा दुकानों के संबंध में प्राप्त शिकायतों पर तत्परता से प्रभावी कार्रवाई की जाए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के सभी बार और मदिरा दुकानों की जियो-टैगिंग की गई है तथा मदिरा के उत्पादन, वितरण और विक्रय तक की समस्त प्रक्रियाओं की ई-आबकारी पोर्टल से मॉनीटरिंग की जा रही है।

पंजीकृत दस्तावेजों के डिजिटिलाइजेशन तथा सम्पत्तियों के जियो रिफरेन्सिंग का कार्य जारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंजीयन कार्यालयों में पक्षकारों के बैठने की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि विभाग की कार्यप्रणाली में शासन के संवेदनशील और कल्याणकारी पक्ष तथा भ्रष्टाचार के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति परिलक्षित हो। बैठक में भौतिक रूप से पंजीकृत दस्तावेजों के डिजिटिलाइजेशन तथा सम्पत्तियों के जियो-रिफरेन्सिंग के कार्य की जानकारी प्रस्तुत की गई।

सम्पदा 2.0 पोर्टल से होगा प्रदेश में अचल सम्पत्तियों का पंजीयन

अचल सम्पत्तियों के पंजीयन के लिए नागरिक केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ विकसित सम्पदा 2.0 का पायलट प्रचालन अप्रैल 2024 से गुना, रतलाम, डिण्डौरी और हरदा में आरंभ किया गया। इसके अंतर्गत सम्पूर्ण पंजीयन प्रक्रिया का क्रियान्वयन पोर्टल के माध्यम से होता है। इस प्रोजेक्ट का शीघ्र ही सम्पूर्ण प्रदेश में विस्तार किया जाएगा। सम्पदा 2.0 के अंतर्गत पंजीयन के लिए पंजीयन कार्यालय, भू-अभिलेख, पंचायत/नगरीय निकाय तथा नगर व ग्राम निवेश कार्यालय के कार्यों को समन्वित किया गया है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 7 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

पीएम मोदी ने की जल संचय जन भागीदारी योजना की शुरुआत

कहा-आने वाली पीढ़ियां हमारे कामों का आंकलन करेंगी तो पानी उनका पहला पैरामीटर होगा

सूरत (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से शुक्रवार को सूरत में 'जल संचय जन भागीदारी' पहल की शुरुआत की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाना है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केन्द्रीय जल मंत्री सीआर पाटिल समेत कई मंत्री और सभी जिलों के कलेक्टर भी ऑनलाइन जुड़े। अपने संबोधन में पीएम ने कहा- जल संचय एक पॉलिसी नहीं है, प्रयास और पुण्य भी है। इसमें उत्तरदायित्व भी है। आने वाली पीढ़ियां जब हमारे कामों का आंकलन करेंगी तो पानी का आंकलन उनका पहला पैरामीटर होगा। क्योंकि, यह प्रश्न संसाधनों का नहीं, यह प्रश्न जीवन का है। इसलिए हमने हमारे 9 संकल्पों में जल संरक्षण को पहले नंबर पर रखा है। आज देश में कितनी सारी विशाल नदियां हैं, लेकिन इसके बावजूद हमारे एक भू-भाग को पानी की कमी से जूझना पड़ रहा है। कई जगह पानी का स्तर लगातार गिर रहा है। यह संकट पूरी दुनिया में और गहराता जा रहा है।

रहिमन पानी रखिए बिन पानी सब सून

पीएम ने आगे कहा- हम उस संस्कृति के लोग हैं, जहां जल को ईश्वर का रूप कह गया गया है। नदियों को देवी, सरोवर, कुंड को देवालय का दर्जा दिया गया है। गंगा, नर्मदा गोदावरी जैसी सभी नदियां हमारी मां हैं। हमारा यह रिश्ता आज का नहीं, हजारों वर्षों पुराना है। हमारे ग्रंथों में कहा गया है कि सभी प्राणी जल से ही उत्पन्न हुए हैं। जल से ही जीते हैं। इसलिए जलदान यानी कि दूसरों के लिए पानी बचाना यह सबसे बड़ा दान है। यही बात सैकड़ों साल पहले रहीम दास ने भी कही थी- रहिमन पानी रखिए, बिन पानी सब सून।

जल संरक्षण में गुजरात दुनिया के लिए उदाहरण

पीएम मोदी ने गुजरात मे पानी की कमी की बात को उठाते हुए कहा- दो-ढाई दशक पहले तक सौराष्ट्र और उत्तर गुजरात की हालत क्या थी। यह हम सभी ने देखा है। मैं जब गुजरात का मुख्यमंत्री बना तो मेरा पहला संकल्प यही था कि गुजरात में पानी की समस्या खत्म कर दुनिया को बताकर रहूंगा कि जल संकट का भी समाधान हो सकता है। इसके लिए हमने गुजरात में सौनी यौजना शुरू की थी। इस प्रोजेक्ट के तहत जहां पानी अधिक था, वहां से पानी जल संकट वाले इलाकों में पहुंचाया गया। इसके लिए भी विपक्ष के लोग हमारा मजाक उड़ाते हुए कहते थे कि पानी के इन पाइपों से हवा निकलेगी लेकिन, आज गुजरात में जल संरक्षण का उदाहरण दुनिया के सामने है। गुजरात की यही सफलता पूरी दुनिया को बताती है कि जल का संरक्षण किया जा सकता है। सूरत नगर पालिका ने शहर में भूजल स्तर बढ़ाने के लिए 27 करोड़ की लागत से 200 से अधिक जल संरक्षण के प्रोजेक्ट शुरू किए। इसके अलावा, तापी, डांग, वलसाड में भी कई प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की गई है।

मणिपुर में दो ड्रोन हमलों के बाद ऐक्टिव हुआ केंद्र

पहली बार एंटी-ड्रोन मशीन गन का होगा इस्तेमाल, दी मंजूरी

इंफाल (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने पहली बार मणिपुर में एंटी ड्रोन मीडियम मशीन गन के इस्तेमाल की मंजूरी दी है। यह फैसला 1-3 सितंबर के बीच राज्य में दो ड्रोन हमलों के बाद लिया गया है। राज्य में मार्च 2023 से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा चल रही है। मणिपुर में इंफाल जिले के सेजम चिरांग गांव में 3 सितंबर की शाम उग्रवादियों ने ड्रोन अटैक किया था, जिसमें में एक महिला समेत 3 लोग घायल हुए थे। वहीं 1 सितंबर को कोत्रुक गांव में भी ड्रोन से हमला किया गया था। जिसमें दो की मौत और 9 घायल हुए थे। ये आशंका जताई जा रही है कि कुकी उग्रवादियों को ड्रोन वॉरफेयर के लिए म्यांमार से टेक्निकल सपोर्ट और ट्रेनिंग मिल रही है, या वे सीधे तौर पर इसमें शामिल हैं। मणिपुर सरकार ने इन ड्रोन अटैक की जांच करने के लिए हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। अधिकारी बोले- पहाड़ी इलाकों में केंद्र की तरफ से सुरक्षाबलों की 198 कंपनियां मौजूद मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह ने कहा था कि यह ड्रोन हमला एक नई घटना है। हम इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। हमने दिल्ली में डायरेक्टर जनरल और उनकी टीम से बात की है। कई अन्य विशेषज्ञ भी आ रहे हैं और हमने ड्रोन हमलों की जांच और इन्हें रोकने के लिए एक समिति भी बनाई है। हमारे पास इन्हें रोकने के कुछ उपाय हैं, जिन्हें हम लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा जिन पहाड़ी इलाकों में हमले हुए हैं, वहां हमारे अभियान जारी हैं। मामले में हमें केंद्र भी पूरा समर्थन मिल रहा है। केंद्रीय बलों की लगभग 198 कंपनियां यहां मौजूद हैं। ड्रोन हमले के बाद गांव के सभी 17 परिवार भागे इंफाल वेस्ट जिले के कौत्रुक गांव में ड्रोन अटैक के बाद दहशत है। यहां के सभी 17 परिवार गांव छोड़कर भाग गए हैं। सभी अपनी जान बचाने के लिए घर छोड़कर सुरक्षित जगहों जैसे इंफाल, खुरखुल और सेक्माई चले गए हैं। लोगों में डर है।

अब सेबी चीफ को समन जारी कर सकती है पीएसी

कांग्रेस नेता हैं इसके मुखिया, हंगामे के बन रहे आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद की लोक लेखा समिति की ओर से सेबी की चीफ माधबी पुरी बुच को समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। ऐसा सेबी के कामकाज की समीक्षा के लिए किया जा सकता है। वहीं इसे लेकर विवाद की भी संभावना है क्योंकि समिति के कुछ सांसद ऐसे एकतरफा फैसले के खिलाफ हैं। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल की अध्यक्षता वाली समिति ने अगले 5 सालों के लिए 161 विषय तय किए हैं, जिन पर चर्चा की जानी है। इनमें 160वें नंबर पर संसद के ऐक्ट से बनीं नियामक संस्थाओं के कामकाज की समीक्षा को शामिल किया गया है।

वक्फ बोर्ड बिल पर जेपीसी बैठक में जबरदस्त घमासान

- संजय सिंह समेत विपक्ष के कई नेता भिड़े, मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति की गुरुवार को हुई बैठक में सांसदों ने शीर्ष अधिकारियों से कई कड़े सवाल किए, जिसमें विपक्षी दलों के सदस्यों ने तर्क दिया कि मंत्रालय मसौदा विधेयक पर स्वतंत्र रूप से विचार नहीं कर रहे हैं और केवल सरकारी नजरिए का ही अनुसरण कर रहे हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति को गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मौजूद वक्फ संपत्तियों से अवगत कराया गया जिसमें सड़क परिवहन एवं रेल मंत्रालयों से संबंधित भूमि पर उपस्थित संपत्तियां शामिल हैं। इस बैठक में शहरी मामलों एवं सड़क परिवहन विभाग के सचिव अनुराग जैन और रेलवे बोर्ड के सदस्य (अवसंरचना) अनिल कुमार खंडेलवाल तथा संबंधित मंत्रालयों के अधिकारियों ने प्रस्तुति दी। बैठक में भारतीय जनता पार्टी , तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कल्याण बनर्जी और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह सहित विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी बहस भी हुई, जिसके कारण समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को हस्तक्षेप करना पड़ा।

कोलकाता केस में पूर्व प्रिंसिपल के 6 ठिकानों पर रेड

- मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ऐक्टिव हुई ईडी, की बड़ी कार्रवाई

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष पर वित्तीय गड़बड़ियों का आरोप है। इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने पीएमएलए के तहत मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कर लिया है। शुक्रवार को ईडी ने 6 ठिकानों पर छापा मारा। इसमें घोष का बेलियाघाटा वाला घर भी शामिल है। इसके अलावा एजेंसी हावड़ा और

सुभाषग्राम में अन्य दो स्थानों पर भी छानबीन कर रही है। उधर इस मामले की जांच सीबीआई भी कर रही है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 13 अगस्त को सीबीआई को आरजी कर रेप-हत्या केस और अस्पताल में वित्तीय गड़बड़ी की जांच सौंपी थी। सीबीआई जांच के खिलाफ घोष की याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है। सीबीआई ने घोष को 2 सितंबर को गिरफ्तार किया था। वह 8 दिन की सीबीआई कस्टडी में है। पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग घोष को सस्पेंड कर चुका है। इससे पहले 28 अगस्त को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने संदीप घोष की सदस्यता रद्द कर दी थी। संदीप घोष ने घटना के अगले दिन रेनोवेशन का ऑर्डर दिया। इस बीच 5 सितंबर को सीबीआई की जांच में सामने आया है कि संदीप घोष ने ही कमरों के रेनोवेशन का ऑर्डर दिया था।

दो बार गलती कर दी, अब आरजेडी के साथ नहीं जाएंगे

- बीजेपी का साथ छोड़ने के कयासों के बीच बोले सीएम नीतिश कुमार

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार का कहना है कि हमने दो बार आरजेडी के साथ जाकर गलती की थी। अब ऐसी गलती

दोबारा नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि हम अब कभी आरजेडी के साथ नहीं जा सकते। नीतिश कुमार का यह बयान अहम है क्योंकि पिछले दिनों उनकी आरजेडी नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात हुई थी। इसके बाद से ही कयास लग रहे थे कि बिहार की राजनीति में फिर से खेला हो सकता है। यह मुलाकात अचानक ही हुई थी और दोनों के बीच करीब आधे घंटे बात हुई थी। अब नीतिश कुमार ने इन कयासों को दूर करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि एनडीए के साथ उनका स्वाभाविक गठबंधन है और अब यह हमेशा के लिए बना रहेगा। आज ही भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पटना पहुंचे हैं।

यूपी में मैक्स और बस की टक्कर, 15 की मौत

हाथरस। हाथरस में आगरा-अलीगढ़ नेशनल हाईवे पर मैक्स वाहन और अलीगढ़ डिपो की रोडवेज बस की टक्कर हो गई। हादसे में एक ही परिवार के 15 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 12 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में 4 बच्चे, 4 महिला और 7 पुरुष हैं। जो कि आगरा के रहने वाले हैं।

विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने थामा कांग्रेस का हाथ

- कहा-बुरे वक्त में बीजेपी छोड़ सभी दूसरी पार्टियों ने दिया साथ, दोनों लड़ सकते हैं चुनाव

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के 30 दिन पहले रेसलर विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। विनेश का जुलाना सीट से चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। वहीं, बजरंग के भी चुनाव लड़ने की अटकलें हैं। इससे पहले दोनों रेसलर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके आवास पर मिले। इसके बाद कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। राज्य में एक फेज में 5 अक्टूबर को मतदान होगा। रिजल्ट 8 अक्टूबर को आएंगे। कांग्रेस में शामिल होने से पहले विनेश और बजरंग ने रेलवे की नौकरी छोड़ दी। दोनों ओएसडी स्पोर्ट्स के पद पर थे। सबसे पहले तो मैं देशवासियों और

मीडिया का धन्यवाद करना चाहती हूं। कांग्रेस पार्टी का बहुत धन्यवाद करती हूं कि बुरे टाइम पर पता लगता है कि साथ में कौन है। एक समय जब देश की हर पार्टी हमारे साथ थी, लेकिन बीजेपी साथ नहीं थी। महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय और बुरे बर्ताव के खिलाफ खड़ी है। जो दर्द हमने सहा है कि हम उन सभी महिलाओं के साथ हैं। बीजेपी ने हमें ये साबित करने की कोशिश की कि हम जले हुए कारतूस हैं, मैं नेशनल खेली। लोगों ने कहा कि मैं बिना ट्रायल दिए ओलिंपिक जाना चाहती हूं, लेकिन मैंने ट्रायल दिया। जो मैंने फेस किया, मैं चाहती हूं कि बाकी खिलाड़ियों को न झेलना पड़े। बजरंग पर चार साल का बैन लगा दिया।

तीनों सेनाओं में 'तालमेल' के लिए ऐक्टिव हुई मोदी सरकार

- थिएटर कमांड की तैयारी हो गई पूरी, बस सरकार की मंजूरी का है इंतजार
- देश की सुरक्षा के साथ वैश्विक मंच पर भारत की धमक के लिए भी जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीनों सेनाओं में तालमेल को और भी ज्यादा बेहतर बनाने के लिए मोदी सरकार 'इंटिग्रेटेड थिएटर कमांड' बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ी है। थिएटर कमांड यानी एकीकृत कमांड एक ऐसा सिस्टम होगा जिसके तहत आर्मी, नेवी और इंडियन एयरफोर्स बेहतर तालमेल के साथ एक दूसरे की क्षमताओं का कुशलता से इस्तेमाल कर सकेगी। सैन्य नेतृत्व चीन, पाकिस्तान और हिंद महासागर पर फोकस करते हुए नए थिएटर कमांड्स को अंतिम रूप दे रहा है। मसौदा पूरी तरह तैयार है, बस सरकार की मंजूरी का इंतजार है।

इकलौता थिएटर कमांड नहीं, बल्कि ऐसे 2 से 5 कमांड बनाने की तैयारी है। हर थिएटर कमांड की अगुआई आर्मी, एयर फोर्स या नेवी के थ्री स्टार अफसर करेंगे और सभी थिएटर कमांड की अगुआई चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ करेंगे। बांग्लादेश के उथल-पुथल ने भी भारतीय सेना की चिताएं बढ़ा दी हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी तमाम घटनाएं बता रही हैं कि सैन्य क्षमता में सुधार और मजबूती क्यों जरूरी है।

कॉलेजियम के फैसले में पहली बार 'सुप्रीम' दखल

- दो जजों की पदोन्नति से जुड़ा है अहम फैसला, किया रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश कॉलेजियम के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें हाई कोर्ट में पदोन्नति के लिए दो वरिष्ठ जिला जजों की उम्मीदवारी को नजरअंदाज किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने दो सीनियर जिला जजों की याचिका को स्वीकार करते हुए इस साल की शुरुआत में हुई कॉलेजियम की चयन प्रक्रिया को रद्द कर दिया। जस्टिस ऋषिकेश रॉय और प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने कहा कि परामर्श के अभाव में कॉलेजियम का निर्णय इसलिए प्रभावित हुआ क्योंकि हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने निजी तौर पर दो जिला जजों के नामों पर पुनर्विचार नहीं करने का निर्णय लिया था। गौरतलब है कि यह फैसला कॉलेजियम के फैसले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप का पहला उदाहरण है। ऐसे मामलों को आमतौर पर अदालत द्वारा प्रशासनिक रूप से निपटाया जाता है। वहीं, कॉलेजियम के फैसलों के खिलाफ याचिकाओं पर विचार करते समय व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया जाता है। जजों ने फैसला सुनाते हुए कहा कि हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को कॉलेजियम में अन्य जजों से सलाह लेनी चाहिए थी।

यहां सुरक्षा की गारंटी नहीं, फिर भी हमारे कार्यकर्ता डटे: भागवत

मणिपुर पर आरएसएस चीफ बोले-संघ कुकी-मैतेई दोनों पक्षों से बातचीत कर रहा

पुणे (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा, मणिपुर में परिस्थितियां कठिन बनी हुई हैं। स्थानीय लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। वहां कारोबार या सामाजिक सेवा के लिए गए लोगों के लिए माहौल अधिक चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा- इस सबके बावजूद संघ के कार्यकर्ता दोनों गुटों (कुकी और मैतेई) की मदद और माहौल सामान्य करने की कोशिश कर रहे हैं। कार्यकर्ता न तो वहां से भागे, न ही हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहे। वे जनजीवन सामान्य करने, गुस्सा कम करने और राष्ट्रीय एकता की भावना बढ़ाने का काम कर रहे हैं। मोहन भागवत पुणे में शंकर दिनकर काने की 100वीं जयंती पर एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां

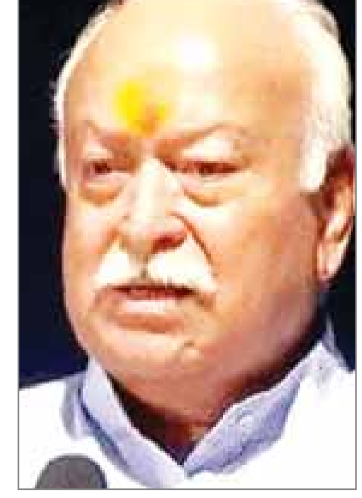

उन्होंने करीब 5 घंटे का भाषण दिया। भागवत ने कहा-शंकर दिनकर 1971 तक मणिपुर में बच्चों को शिक्षित करने के अभियान में जुटे थे। संगठन के कार्यकर्ता तमाम चुनौतियों और सुरक्षा की गारंटी न होने के बावजूद संघर्षग्रस्त उत्तर-पूर्वी राज्य मणिपुर में डटे हैं। भागवत ने कहा- मणिपुर में कमांडो सब कुछ नहीं संभाल सकते। संघ स्थिति सुधारने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। संघ सभी पक्षों से बातचीत कर रहा है। स्वयंसेवकों ने लोगों का विश्वास हासिल कर लिया है। स्थानीय लोगों ने सालों से संघ के काम को देखा है, इसलिए विश्वास किया है।

इंदौर में दो दिनों बाद फिर बारिश शुरू

सुबह धूप-छांव जैसा था मौसम ; अगले चार दिनों तक तेज बारिश के नहीं हैं आसार

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में पिछले तीन दिनों से मौसम साफ ही रहा। शुक्रवार सुबह से भी मौसम खुश्क बना हुआ था लेरिन सुबह 10.30 अचानक कई क्षेत्रों में रिमझिम तो कहीं हल्की बारिश शुरू हो गई। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अभी इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में चार-पांच दिनों तक तेज बारिश के आसार नहीं हैं। शुक्रवार को धूप-छांव जैसा मौसम रहेगा। कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ कुछ देर के लिए हल्की हो सकती है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव के मुताबिक अभी प्रदेश से एक मानसून ट्रफ लाइन गुजर रही है। इस कारण 10 सितम्बर तक तेज बारिश की संभावना नहीं है। लोकल सिस्टम की वजह से प्रदेश के पूर्वी हिस्से के कुछ जिलों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो रही है। इंदौर में आज गरज-चमक के साथ धूप-छांव जैसा मौसम रहेगा। अगले चार दिनों तक तेज बारिश के आसार नहीं हैं।

इसके पूर्व बुधवार को दिन का तापमान 27.8 (-2) डिग्री और रात का तापमान 22 डिग्री सेल्सियस था। इस दौरान दिनभर बारिश नहीं हुई थी। गुरुवार को दिन का तापमान 2 डिग्री बढ़कर 29.6 (0) और रात का तापमान 23.9 (+3) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बीती रात का तापमान औसत से 3 डिग्री ज्यादा रहा।

प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसो. नाराज

दवाइयों के 14 सैंपल फेल, अब डॉक्टरों से जांच कराने की अपील

इंदौर (एजेंसी)। मप्र के सरकारी अस्पतालों में सप्लाय होने वाली दवाइयों के सैंपल लगातार फेल हो रहे हैं। इसने इलाज करने वाले डॉक्टरों को परेशानी में डाल दिया है। अब तक 14 सैंपल फेल हुए हैं। यह भी वह दवाइयां हैं जिनकी जांच डॉक्टरों की सजगता से हो पाई है। मरीजों पर बेअसर दवा से मरीजों की जान पर बन आई, जिसके बाद दवाइयों की जांच अस्पताल ने खुद करवाई। अब डॉक्टरों के संगठन ने एक अपील जारी कर डॉक्टरों से कहा है कि मरीज हित में काम करें। अगर कोई दवा असर नहीं दिखा रही है तो उसकी तुरंत जांच करवाएं।

नाराज डॉक्टरों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन ने गुरुवार को प्रदेश के सभी शासकीय व स्वशासी संस्था के डॉक्टरों को अपील जारी की है। इसमें कहा गया है कि उन्हें लगता है कि कोई दवा कम असर कर रही है। ज्यादा प्रभावी नहीं है तो मरीज हित में उसकी जांच करवाई जाए।

एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राकेश मालवीय और महासचिव डॉ. अशोक ठाकुर ने बताया कि लैब की जांच रिपोर्ट में लगातार अमानक दवाइयां सप्लय करने की जानकारी आ रही है। पिछले दिनों 14 दवाइयों के सैंपल अमानक निकले हैं। इसमें कई जीवनरक्षक दवाइयां शामिल हैं। उन्होंने डॉक्टरों से कहा है कि अगर आपको लगता है कि दवा असर नहीं कर रही है तो तत्काल अधीक्षक या सिविल सर्जन को सूचित करें।

संजीव शमी के समय दर्ज हुए थे केस

बिना अनुमति धरने में भाजपा नेता, पार्षद सहित 72 बरी हुए

इंदौर (एजेंसी)। 1 दिसंबर 2012 को मालवा मिल चौराहा पर पुलिस की नीतियों के खिलाफ आंदोलन करने के मामले में पुलिस ने तत्कालीन पार्षद व फिलहाल एमआईसी मेंबर राजेंद्र राठौर, चंदूराव शिंदे, मांगीलाल रेडवाल सहित 72 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। गुरुवार को जिला व सत्र न्यायालय ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया।

तत्कालीन एसपी संजीव शमी ने बिना अनुमति आंदोलन करने और उग्र नारेबाजी करने पर लाठीचार्ज करवा दिया था। इसमें कई भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं को चोट आई थी। इस घटना के बाद कई नेता वारंट जारी होने के बाद भूमिगत हो गए थे। परदेशीपुरा पुलिस ने कल्याण देवांग, हरिशंकर पटेल, सूरज कैरो, राजकपूर सुनहरे, कविता खोवाल, सुधा चौधरी, सुमन यादव के खिलाफ भी केस दर्ज किया था। अधिवक्ता श्रीराम भदौरिया के मुताबिक 12 साल ट्रायल चला। पुलिस ने जिन लोगों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया, वह कोर्ट में सिद्ध नहीं कर पाई। इस कारण कोर्ट ने सभी को बरी कर दिया।

मानसिक कमजोर युवती से रेप

गर्भवती होने पर हुआ घटना का खुलासा, परिवार के पूछने पर हुई पहचान

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के रावजी बाजार में मानसिक कमजोर युवती के साथ रेप का मामला सामने आया है। युवती की जब तबीयत बिगड़ी तो परिवार अस्पताल लेकर पहुंचा। यहां गर्भवती होने की जानकारी लगी और पूरे मामले का खुलासा हो गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। वही बिल्ड़ीग में ही काम करता है।

रावजी बाजार पुलिस ने 26 साल की मानसिक कमजोर युवती से रेप के मामले में जमशेद नाम के युवक पर केस दर्ज किया गया है। मामले में युवती की बड़ी बहन ने युवती को थाने लाकर केस दर्ज कराया है। बड़ी बहन ने बताया कि 15 दिनों से छोटी बहन को उल्टिया बंद नही हो रही थी। जिसमें तबीयत बिगड़ने के चलते मां ने बताया। की उसे 3 से 4 माह से पीरियड की भी नही आ रहे। उन्हें शंका होने पर जवाहर मार्ग पर निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां सोनोग्राफी कराई तो उसके गर्भ में बच्चा होने की जानकारी लगी। इसके बाद उसे लेकर घर आ गए। यहां उससे किसी के गलत करने के बारे में पूछा तो वह रोने लगी। उसने बताया कि तीन से चार माह पहले जमशेद उसे घर की छत पर लेकर गया। यहां पर उसके कपड़े उतारकर उसके साथ गलत किया। वह अकेले में कई बार इस तरह की हरकत कर चुका है। इसके बाद परिवार थाने पहुंचा और मामले में जमशेद पर केस दर्ज कराया। वह बिल्डिंग के कारखाने में काम करने आता है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है।

किन्नर ले भागी आभूषण और नकदी से भरा बैग

किन्नर समाज कमेटी की गुरू ने कराया केस, पुलिस जांच में जुटी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के पंढ़रीनाथ में किन्नरों की गुरू ने अपने चेले के खिलाफ आभूषण और नकदी से भरा बैग चुराने के मामले में केस दर्ज कराया है। बताया जाता है कि किन्नर घटना के बाद से लापता है।

पंढ़रीनाथ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नंदलालपुरा में रहने वाली सोनम कुंवर गुरू की शिकायत पर पुलिस ने उसके चेले किन्नर आलिया उर्फ सोहैल पर चोरी का प्रकरण दर्ज किया है। सोनम कुंवर ने बताया कि वह किन्नर समाज कमेटी की गुरू है। नंदलाल पुरा में किन्नर कमेटी के लिए मार्केट से रुपए इकट्‌ठा कर बड़ी कमेटी में उसे जमा करती है। आलिया उर्फ सोहैल और साथी समीर हाशमी साथ रहते हैं। सोहेल आईडीए बिल्डिंग राजेन्द्र नगर में रहता है। वहीं समीर हीरानगर इलाके में रहता है। 29 अगस्त की सुबह आलिया नंदलालपुरा आई और मार्केट में नेक के लिए चली गई। इस दौरान सोनम कुंवर ने एक बैग निकाला। जिसमें आभूषण और रुपए रखे थे। दोपहर में दवाई खाकर सो गई। जब 2 बजे नींद खुली तो बैग जगह पर नही था। इसके बाद आलिया भी नहीं दिखी। सभी से बैग को लेकर पूछताछ की। सभी किन्नरों ने आलिया की तलाश शुरू की। एक साथी किन्नर ने बताया कि आलिया को उसने मार्केट में समीर की मां को बैग देते हुए देखा है।

अब गिटार तिराहे से धोबीघाट पुल चौड़ा होगा

इंडस्ट्री हाउस लेफ्ट टर्न 8-10 फीट चौड़ा, एलआईजी जाने वालों को राहत

इंदौर (एजेंसी)। बीआरटीएस के इंडस्ट्री हाउस तिराहे पर लेफ्ट टर्न को 10 फीट चौड़ा कर दिया है। इससे जंजीरवाला चौराहा तरफ से आकर एलआईजी तरफ जाने वालों को राहत मिलेगी। यहां लगे ट्रांसफॉर्मर शिफ्ट करना बाकी है। लेफ्ट टर्न चौड़ा करना इसलिए जरूरी था, क्योंकि जंजीरवाला चौराहे से एलआईजी, पलासिया की ओर वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसमें 70 फीसदी से ज्यादा चार पहिया वाहन होते हैं। एलआईजी और पलासिया की ओर से इस ओर जाने वाले वाहन भी बढ़ रहे हैं, क्योंकि यहां से छप्पन दुकान जाने के लिए यही सुगम रास्ता है।

अब पुल और आगे सड़क सुधारने की जरूरत

ट्रैफिक एसीपी अरविंद तिवारी का कहना है, अब नगर निगम को धोबीघाट पुल की चौड़ाई बढ़ाने और इसके आगे की सड़क को सुधारने के लिए लिखा है। छप्पन की ओर से आ रहे ट्रैफिक को भी व्यवस्थित किया जाएगा। साथ ही इस सड़क पर फुटपाथ की बाधाओं को दूर किया जाएगा। इसके अलावा गिटार तिराहे से धोबीघाट की ओर जाने वाले वाहनों के लिए भी लेफ्ट टर्न सुधारेंगे।

इंदौर में लेडी एसआई सातवीं मंजिल से कूदी, मौत

पति से कहा था- बच्चों का ध्यान रखना, मॉर्निंग वॉक करके आती हूं...

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में लेडी एसआई ने बिल्डिंग की सातवीं मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। 32 साल की लेडी एसआई पति और बच्चों के साथ पुलिस ट्रेनिंग सेंटर (पीटीसी) कैम्पस में रहती थी। रोज की तरह शुक्रवार सुबह 5 बजे वॉक के लिए घर से निकली। कुछ दूरी पर बनी बिल्डिंग में पहुंची और छलांग लगा दी। इस बिल्डिंग में गजेटेड ऑफिसर्स रहते हैं।

मृतक नेहा

आजाद नगर पुलिस ने बताया, पीटीसी में रहने वाली नेहा ओमशरण शर्मा सूबेदार के पद पर थीं। वह शिप्रा नाम की बिल्डिंग में रहती थीं। पति ओमशरण ने बताया, नेहा सुबह उठी और मुझसे कहा कि बच्चों का ध्यान रखना। इसके बाद चली गई। कुछ देर बाद उसके सुसाइड की खबर मिली। वह सहज और सरल स्वभाव की थी। काफी दिनों से नौकरी को लेकर तनाव में चल रही थी।नेहा की शादी 2019 में टीचर ओमशरण से रायपुर में हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं।

गार्ड रूम की तरफ देखा और बिल्डिंग में चली गई- सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि लेडी एसआई जब बिल्डिंग के मेन गेट से अंदर आ रही थी, उस दौरान एक शख्स बाइक से बाहर की तरफ निकला। थोड़ी देर बाद एक और युवक बिल्डिंग में आया। लेकिन दोनों को ही इसका अंदाजा नहीं था कि लेडी एसआई इस तरह का कदम उठा लेगी। दोनों युवक जब वहां से निकल गए, लेडी एसआई ने गार्ड रूम की तरफ देखा और तेजी से बिल्डिंग में चली गई।सूत्रों के मुताबिक नेहा जिस बिल्डिंग से कूदी वह हाई सिक्योरिटी जोन में आती है। यहां दो डीसीपी और कई एडीसीपी, एसीपी और डीएसपी रहते हैं। जब नेहा ने एंट्री की तो किसी ने उसे टोका तक नहीं।

कॉन्स्टेबल बनने के बाद बैंकिंग-पीएससी की परीक्षा दीं

लेडी एसआई नेहा पुलिस विभाग में कॉन्स्टेबल के रूप में भर्ती हुई थीं। परिवार के लोग नहीं चाहते थे कि वह कॉन्स्टेबल रहे। कड़ी मेहनत के बाद नेहा पुलिस विभाग में सूबेदार बनी थीं। तीन बार पीएससी की परीक्षा दी थी। वह बैंकिंग की परीक्षाएं भी दे चुकी थीं। मंदसौर में भी सूबेदार रहीं। नेहा की मां नारकोटिक विभाग में पदस्थ हैं। पिता भी पुलिस विभाग में रहे हैं। इसी बिल्डिंग की सातवीं मंजिल से लेडी एसआई नेहा ओमशरण शर्मा ने कूदकर सुसाइड किया।

केबीसी-9 में हॉट सीट पर बैठी थीं नेहा

नेहा शर्मा ने कौन बनेगा करोड़पति के 9वें सीजन (2017) में हिस्सा लिया था। वो शो होस्ट कर रहे अमिताभ बच्चन के साथ हॉट सीट पर भी बैठी थीं। नेहा ने 8 सवालों के सही जवाब दिए। 80 हजार रुपए जीत लिए थे। 1.60 लाख के 9वें सवाल का जवाब नहीं दे पाई। लाइफ लाइन भी ली, लेकिन जवाब गलत हो गया। नेहा ने तब कहा था कि उन्हें सवाल का जवाब पता था, लेकिन नर्वस होने के कारण गलत जवाब दे दिया। हारने के बाद नेहा ने दोबारा केबीसी में जाने की इच्छा जताई थी।

शादी के पहले से चल रहा डिप्रेशन का इलाज

लेडी एसआई नेहा मूल रूप से नीमच की रहने वाली थी। उनकी शादी 2019 में टीचर ओमशरण से रायपुर में हुई थी। नेहा की नियुक्ति 2015 में पुलिस विभाग में हुई थी। इसके बाद से वह लगातार पीटीसी में पदस्थ रहीं। परिवार का दावा है कि शादी से पहले से ही नेहा के डिप्रेशन का इलाज चल रहा था। उनकी 8 महीने की बेटी और 4 साल का एक बेटा है। एक बाइक सवार भी बिल्डिंग से बाहर जाता दिखाई दिया। इसके ठीक बाद नेहा बिल्डिंग में आई।

फ्यूनरल एजेंसी अमेरिका ले जाएगी प्रोफेसर की बॉडी

इंदौर में मौत के चार दिन बाद पोस्टमार्ट्म, सड़े नहीं इसलिए लगाया स्पेशल लेप

इंदौर (एजेंसी)। चार दिन पहले होटल रेडिसन में अमेरिकी प्रोफेसर विलियम माइकल रेनॉल्ड्स (36 साल) की 2 अगस्त को मौत हो गई। उनकी मां ने शव यहां से ले जाने के लिए फ्यूनरल सर्विस एजेंसी को जिम्मा सौंपा है। एम्बेसी से मंजूरी मिलने के बाद मौत के चौथे दिन पोस्टमार्ट्म किया गया। गुरुवार को उनके शव पर स्पेशल लेप लगाकर मुम्बई रवाना किया गया। यहां से अमेरिका भेजा जाएगा।

विजय नगर पुलिस के मुताबिक अमेरिकी प्रोफेसर विलियम माइकल रेनॉल्ड्स के परिवार में केवल उनकी मां है। मौत के बाद पुलिस ने एम्बेसी के जरिए मां को सूचना दी। बेटे का शव शिकागो (अमेरिका) लाने के लिए मां ने एजेंसी को जिम्मा सौंपा। दोनों देशों की एम्बेसी से मंजूरी मिलने के बाद गुरुवार को माइकल का पोस्टमार्ट्म किया गया। यह तीन डॉक्टरों की पैनल ने किया और इसकी वीडियो ग्राफी भी की गई।

एसीपी, विजय नगर कृष्णलाल चंदानी ने बताया कि अभी पोस्टमॉर्ट्म रिपोर्ट नहीं आई है। प्रारंभिक तौर पर कार्डियक अरेस्ट से मौत होने की आशंका है। उनके कमरे से हायपरटेंशन संबंधी दवाइयां भी मिली हैं। उन्होंने 30 अगस्त को होटल में चैक इन किया था। 1 अगस्त को तबीयत ठीक नहीं होने के कारण उन्होंने एक प्राइवेट हॉस्पिटल में चैकअप कराया था। रात को खाना खाकर सोए, तो फिर नहीं उठे।

सुबह जब रूम से बाहर नहीं आए, तो विजय नगर पुलिस को सूचना दी गई थी। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया था। पुलिस ने बॉडी एमवायएच के पोस्टमॉर्टम रूम में रखवा दी थी।

दिल्ली में आयोजित इंटरनेशनल इवेंट में हुए थे शामिल

जांच में में पता चला कि वे शिकागो की नॉर्थ पार्क यूनिवर्सिटी में एडमिशन रिप्रजेंटेटिव थे। इंदौर आने के पहले वे दिल्ली में आयोजित इंटरनेशनल इवेंट में आए थे। इस इवेंट में विदेशों की 50 से ज्यादा यूनिवर्सिटी के रिप्रजेंटेटिव्स शामिल हुए थे। यह इवेंट विदेशों में कॉलेज में एडमिशन और नौकरी संबंधी था। इसके बाद वे इंदौर आकर होटल में ठहरे थे।

अगले दिन अहमदाबाद जाने वाले थे

एसीपी, विजय नगर, कृष्णलाल चंदानी ने बताया कि प्रोफेसर इंदौर में रिक्यूटमेंट के संबंध में आए थे। एक दिन पहले उन्होंने इंदौर में कुछ लोगों से बात की थी। अगले दिन वे इसी सिलसिले में अहमदाबाद जाने वाले थे। इस बीच रात को उनकी मौत हो गई। उनकी मौत के बाद उनके बारे में जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि वे अविवाहित हैं। परिवार में सिर्फ मां है। विदेश में मौत होने पर परिवार के लोगों द्वारा संबंधित देश में जाकर वहां से बॉडी वापस अपने देश ले जाने की प्रोसेस काफी लंबी होती है। इसके अलावा आने-जाने में समय भी लगता है।

इसके चलते उनकी मां ने यूएसए से फ्यूनरल एजेंसी के माध्यम बेटे की बॉडी भेजने के लिए ई-मेल किया। एजेंसी के माध्यम ऐंबैसी और फिर मुंबई की एजेंसी से समन्वय हुआ।

आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज को इंदौर हाईकोर्ट का नोटिस

मेडिकल छात्रा ने जमा किए 81 लाख लेकिन प्री-पीजी परीक्षा में शामिल होने पर रोक

इंदौर (एजेंसी)। उज्जैन के एक निजी मेडिकल कॉलेज में पीजी में एडमिशन लेने वाली छात्रा ने सीट छोड़ दी। नियमानुसार 81 लाख रुपए जमा करने के बाद भी उसके पीजी की परीक्षा दोबारा देने पर 3 साल की रोक नहीं हटाई। इतना ही नहीं छात्रा के 3 साल तक पीजी की काउंसलिंग में बैठने पर रोक भी लगा दी। छात्रा ने इस डबल कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी।

गुरुवार को सुनवाई के बाद अगले सप्ताह केस में 12 सितंबर को अंतिम बहस होगी। हाई कोर्ट ने मेडिकल कॉलेज से जवाब मांगा है।

न्यायमूर्ति वीके शुक्ला ने आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज (निजी मेडिकल कॉलेज) उज्जैन को नोटिस जारी किया है। अब मामले को अंतिम बहस के लिए 12 सितंबर को सूचीबद्ध किया है। याचिकाकर्ता रितिका माहेश्वरी की ओर से अधिवक्ता आदित्य संघी ने बहस की। तात्कालिकता को देखते हुए क्योंकि याचिकाकर्ता ने पहले ही पीजी सीट की पूरी फीस के रूप में 81 लाख रुपए जमा कर दिए हैं, लेकिन अब प्राइवेट मेडिकल कॉलेज और डीएमई के अनुसार वह सीट छोड़ने के नियमों के अनुसार 3 साल तक प्री पीजी परीक्षा में शामिल नहीं हो सकती है। अधिवक्ता आदित्य सांघी ने तर्क दिया कि नियम अवैध और मनमाना है और भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 19 से प्रभावित है और इसे अल्ट्रा वायर्स के रूप में रद्द किया जाना चाहिए।

एक गलती, दो सजा को लेकर छात्रा का यह है तर्क- इंदौर के आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज में एनआरआई कैटेगरी में छात्रा डॉ. रितिका माहेश्वरी ने एमबीबीएस के बाद पीजी एग्जाम दिया था। 2022 में पीजी कोर्स में एडमिशन मिल गया। बाद में व्यक्तिगत कारण बताकर डॉ. रितिका ने यह सीट खाली कर दी।

सरकार का नियम है कि सरकारी या प्राइवेट कॉलेज में सिलेक्शन के बाद सीट खाली करने पर खर्च स्टूडेंट ही उठाएगा। साथ ही अगले तीन साल तक वह इस एग्जाम की काउंसलिंग में बैन रहेगा। बीच में सीट खाली करने पर डॉ. रितिका के परिवार ने 81 लाख रुपए हर्जाने में भर दिए।

सीएमओ पर दर्ज छात्रा से रेप की एफआईआर खारिज

इंदौर हाईकोर्ट का आदेश, केस करने वाली नीट छात्रा नाबालिग नहीं, बालिग निकली

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर हाईकोर्ट ने नगर पालिका में पदस्थ रहे सीएमओ प्रभात बरकड़े के खिलाफ दर्ज एफआईआर को खारिज कर दिया है। इंदौर में रहकर नीट की तैयारी कर रही छात्रा ने उन पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। पीड़िता ने 23 मार्च को इंदौर के एमआईजी थाने में केस दर्ज कराया। घटना के दौरान पीड़िता के नाबालिग होने की बात कही गई, लेकिन कोर्ट में जो सबूत पेश किए गए उनसे ये साबित हुआ कि पीड़िता बालिग थी।

बता दें कि आरोप लगने और एफआईआर के बाद समझौता करते हुए आरोपी सीएमओ और पीड़िता ने शादी कर ली थी। दोनों शहडोल के रहने वाले थे और इंदौर में पढ़ाई के दौरान संपर्क में आए थे।

क्रिकेट खेलते समय सीएमओ की हुई थी गिरफ्तारी- इंदौर पुलिस ने 7 अप्रैल 2024 को रविवार को शहडोल की धनपुरी नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रभात बरकड़े को गिरफ्तार किया था। उन पर नीट की तैयारी कर रही छात्रा से दुष्कर्म का आरोप लगा था। पीड़ित ने 23 मार्च को इंदौर के एमआईजी थाने में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने 376, 323, 294, 506 और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था।

खास बात यह थी कि पुलिस जब आरोपी अधिकारी को गिरफ्तार करने पहुंची, उस वक्त वे धनपुरी के एक ग्राउंड में क्रिकेट खेल रहे थे। पुलिस ने उन्हें वहीं से गिरफ्तार किया और फिर इंदौर ले आई थी।

आरोपी अधिकारी प्रभात बरकड़े बालाघाट के बैहर के रहने वाले हैं। पीड़ित छात्रा भी वहीं की रहने वाली है। आरोपी प्रभात बरकड़े पिछले दो साल से धनपुरी नगर पालिका में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में पदस्थ रहे।प्रभात बरकड़े दो साल से धनपुरी नगरपालिका में पदस्थ रहे हैं।

इंदौर में पढ़ाई के दौरान शादी का झांसा देकर रेप का आरोप- गिरफ्तारी के दौरान इंदौर के एमआईजी थाना प्रभारी मनीष लोधा ने बताया था कि सीएमओ प्रभात बरकड़े पर रेप का ये मामला उस वक्त का है, जब वे इंदौर में रहकर पढ़ाई कर रहे थे। 2021 में उनकी मुलाकात पीड़ित छात्रा से हुई थी। छात्रा की उम्र तब 16 साल थी। आरोपी सीएमओ और पीड़ित छात्रा के बीच दूर का रिश्ता है।

पीड़ित की शिकायत पर इंदौर के एमआईजी थाना पुलिस ने आरोपी अफसर के खिलाफ केस दर्ज किया था। पीड़ित ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया कि वह इंदौर में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी। इस दौरान उसकी प्रभात बरकड़े से कई बार मुलाकात हुई। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि प्रभात उसे इंदौर और जबलपुर समेत कई जगहों पर ले गया और शादी का झांसा देकर कई बार रेप किया। जब वह प्रभात पर शादी करने के लिए कहने लगी तो वह मुकर गया।

गिरफ्तारी के बाद पीड़ित छात्रा से कर ली शादी- 7 अप्रैल 2024 को बालाघाट में क्रिकेट खेलते हुए सीएमओ को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पूछताछ कर उसे 8 अप्रैल को कोर्ट में पेश किया लेकिन यहां मामला पलट गया। सुनवाई के दौरान आरोपी जेल जा सकता था। इस बीच, पीड़िता और उसकी मां भी कोर्ट में आई। बातचीत के आधार पर सीएमओ के वकील ने दलील दी कि हमारा पक्षकार सात दिन (15 अप्रैल से पहले तक) के अंदर शादी कर लेगा। जब उसने लिखित में यह दिया तो कोर्ट ने सशर्त जमानत मंजूर कर दी थी। वकील के द्वारा कोर्ट को बाद में बताया गया कि उसने वादे के अनुसार 12 अप्रैल को पीड़ित छात्रा से शादी कर ली है।

सीएमओ बनने के बाद कहता था कि तेरी हैसियत नहीं कि शादी करूं

छात्रा ने 23 मार्च को आरोपी के खिलाफ जब रिपोर्ट की थी तब उसमें पूरा ब्योरा दिया था। उसमें कहा था कि आरोपी शादी का पूछने पर दो साल तक टालता रहा। जब पूछा कि फाइनली बता दे कि शादी करेगा या नहीं। तब उसने कहा कि वह घर जा रहा है। अपने परिवार से शादी की बात करेगा। कुछ दिन बाद मार्च 2024 में प्रभात ने जबलपुर में देवलाल मंदिर के पास द ग्रैंड होटल में बुलाया। यहां विवाद कर मारपीट की और कहा कि मुझसे शादी करने की तेरी हैसियत नहीं है। अगर यह बात किसी को बताई तो जान से खत्म कर दूंगा। इसके बाद परिवार को बताकर एफआईआर कराई।

आरोपी के वकील बोले- लड़की बालिग थी, शिकायत झूठी

सीएमओ प्रभात बरकड़े के खिलाफ दर्ज एफआईआर को इंदौर हाईकोर्ट ने खारिज किया है। पीड़िता का जन्म 6 नंवबर 2002 का है। घटना 8 मई 2022 की है, उस समय पीड़िता की उम्र 18 साल से अधिक थी। पहले पीड़िता के नाबालिग होने की बात कही गई थी। पीड़िता और सीएमओ दोनों शादी कर खुशी से साथ रह रहे हैं। कोर्ट ने सभी पहलुओं को देखते हुए एफआईआर को खारिज करने के ऑर्डर दिए हैं।

- राहुल पेठे, एडवोकेट सीएमओ

संपादकीय

भारत-अमेरिका साथ-साथ

पिछले महीने पीएम मोदी ने रूस की यात्रा की थी। उस समय टाइमिंग को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठाए गए थे। फिर यूक्रेन गए, अब सिंगापुर और अन्य देश का यात्रा की। वहीं रुस ने कहा अगर भारत चाहता तो हम शांति के लिए तैयार है। हालांकि, अब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और पीएम मोदी की फोन पर वार्ता हुई। इसी के साथ ये स्पष्ट हो गया कि भारत-अमेरिका साथ-साथ हैं। इधर, दोनों नेताओं की फोन वार्ता में बांग्लादेश का जिक्र आना भी कई लिहाज से अहम है। पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा पर दिखी अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए अगर सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ हुई उनकी फोन वार्ता पर गौर करें तो हाल की यूक्रेन यात्रा की सार्थकता ज्यादा स्पष्ट रूप में सामने आती है। यूक्रेन यात्रा ने उन गलतफहमियों को भी खत्म कर दिया है, जो रूस यात्रा के बाद खासतौर पर पश्चिमी हलकों में दिखाई देने लगी थीं। पीएम मोदी की रूस यात्रा की टाइमिंग को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठाए गए थे। एक तो वह यात्रा अमेरिका में नैटो देशों की प्रस्तावित बैठक के ठीक पहले हुई थी, दूसरे वह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में हुई उनकी पहली विदेश यात्रा होने की वजह से भी अहम मानी गई थी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी तब पीएम मोदी की रूस यात्रा पर खुले रूप में नाखुशी जताई थी। इसके बरक्स अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन की पहल पर हुई फोन वार्ता इस बात का साफ संकेत है कि जो भी गलतफहमियां रही हों, वे पूरी तरह मिट चुकी हैं। हालांकि भारत पहले दिन से अपने इस रुख पर अडिग रहा है कि वह बातचीत के जरिए जल्द से जल्द शांति स्थापित करने के पक्ष में है। पीएम मोदी ने रूस में राष्ट्रपति पुतिन से भी कहा था कि युद्ध के मैदान से कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सकता, और यूक्रेन में राष्ट्रपति जेलेंस्की को भी सुझाव दिया कि जल्द शांति स्थापित करने के लिए वह रूस से बातचीत करें। दोनों नेताओं की फोन वार्ता में बांग्लादेश का जिक्र आना कई लिहाज से अहम है। पड़ोस का यह मुल्क जिस तरह के हालात से गुजर रहा है, उसे लेकर आशंकाएं स्वाभाविक हैं। ऐसे में भारत और अमेरिका दोनों देशों का अपनी चिंताएं साझा करना मायने रखता है। पीएम मोदी की ओर से बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा का मसला उठाना जाहिर करता है कि अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के आश्वासन के बावजूद इस मामले में भारत की चिंता दूर नहीं हुई है। जिस तरह से तथ्यों के विपरीत जाकर बांग्लादेश के कुछ नेता बाढ़ के लिए भारत पर उंगली उठाने की कोशिश कर रहे हैं, वह भी बताता है कि वहां भारत के खिलाफ माहौल बनाने वाले तत्व अब भी सक्रिय हैं। यह फोन वार्ता ऐसे समय हुई है, जब कुछ ही दिनों बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान मोदी और बाइडन मिलने वाले हैं। उसी बीच, क्वॉड देशों की बैठक भी प्रस्तावित है। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रिश्तों में हो रही प्रगति की भी समीक्षा की। कुल मिलाकर, इस बातचीत ने दोनों देशों के रिश्तों की सहजता को रेखांकित किया है।

नजरिया

सिनेमा का असहनीय सच

प्रेरणा

लेखिका गांधीवादी-अर्थशास्त्र की अध्येता हैं।

उत्तर भारत में अहर्निष जारी राजनीतिक कौतुकों और उसके अलावा बाकी संसार से पीठ-फेरे पड़े मीडिया के बरक्स यह जानना चौंकाता है कि सुदूर केरल के सिने-संसार में आजकल भारी बवाल मचा है। वहां चार साल बाद अभी हाल में सार्वजनिक हुई 'जस्टिस हेमा समिति' की रिपोर्ट ने न सिर्फ मलयाली सिनेमा, बल्कि दुनिया में सर्वाधिक फिल्में बनाने वाले हिन्दी समेत बांग्ला, मणिपुरी, तेलुगु, पंजाबी, भोजपुरी जैसे देश के विविध सिनेमाओं को सचेत कर दिया है। प्रस्तुत है, इसी पर टिप्पणी करता प्रेरणा का यह लेख।

आसमान में सितारे जगमगा रहे हैं और चांद अपनी सोलह कलाएं बिखेर रहा है, पर नजदीक जाते ही पता चलता है कि न सितारों के पास अपनी रौशनी है, न ही चांद ऐसा खूबसूरत है! यह किसी साहित्यकार की पंक्ति होती तो हम ऐसी अभिव्यक्ति पर मुग्ध होते; लेकिन यह पंक्ति लिखी है, जस्टिस के. हेमा ने। जस्टिस हेमा के नेतृत्व में केरल सरकार ने मलियाली फिल्म-जगत में फैली गंदगी की जांच के लिए एक आयोग गठित किया था।

कहानी फरवरी 2017 से शुरू होती है। खबर आई थी कि केरल की एक जानी-मानी हीरोईन की कार कुछ गुंडों ने अगवा की, उनके साथ छेड़छाड़ की और उसका वीडिओ भी बनाया। खबर फैली तो हंगामा मचा। इससे आहत मलियाली फिल्म जगत की चंद महिला कलाकारों ने, मई 2017 में 'विमेन इन सिनेमा कलेक्टिव' (डब्ल्यूसीसी) नामक एक संगठन बनाया जिसने केरल सरकार पर दबाव बनाया कि वह मलयाली सिनेमा उद्योग में हो रहे महिलाओं के शोषण की जांच करके उपयुक्त कार्रवाई करे।

नतीजे में राज्य सरकार ने केरल हाईकोर्ट की रिटायर्ड जस्टिस के. हेमा के नेतृत्व में तीन सदस्यों की समिति बनाई। इस समिति में जस्टिस हेमा के अलावा मलयालम फिल्मों की ख्यात अभिनेत्री शारदा और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी केबी वलसाला कुमारी शामिल थीं। समिति ने सारे मामले की जांच की और 2019 में सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। तब से सरकारी अनिर्णय में दबी यह रिपोर्ट तब जाकर सार्वजनिक हुई जब 'सूचना के अधिकार कानून' (आरटीआई) के तहत राज्य के सूचना आयुक्त ने सरकार को रिपोर्ट सार्वजनिक करने का आदेश दिया।

सरकार के कहने पर सूचना आयुक्त ने समाज के हित में अब भी इसके कई हिस्सों, खासकर नामों को सार्वजनिक नहीं करने के निर्देश दिए हैं। 19 अगस्त 2024 को उजागर हुई इस रिपोर्ट ने केरल में जलजला ला दिया है। रोज ही नई-नई महिलाएं, अपने साथ हुए यौनिक अन्याय की बात लेकर सामने आ रही हैं और मलियाली फ़िल्म जगत की बड़ी-बड़ी हस्तियाँ मुंह छिपाती, त्यागपत्र देती नज़र आ रही हैं।

अपने दो साल के कार्यकाल में 'हेमा समिति' ने केरल के फिल्म-उद्योग की गहराई से छानबीन की। शुरू में कलाकार समिति के सामने आकर बातें नहीं बता रहे थे इसलिए पूरी जांच को गोपनीय रखा गया। समिति ने अपने ध्येय के बारे में लिखाः 'यह समिति मलियाली सिनेमा उद्योग में लैंगिक शोषण और सुरक्षा के उपायों की जांच के लिए बनी है, न कि अपराधियों के नाम उजागर करने के लिए।'

रिपोर्ट ने यह भी कहा कि इंडस्ट्री में सब एक जैसे नहीं हैं। कुछ अच्छे लोग भी हैं, भले गिनती के हों। मशहूर कलाकारों- टेक्नीशियनों तथा अन्य लोगों की बड़ी संख्या है जो खुले आम महिलाओं का शोषण करते हैं, उस पर गर्व भी करते हैं और उसे मर्दानगी समझते हैं। कुछ पुरुषों ने यह कहकर बात को हल्का करने की कोशिश की कि ऐसी घटनाएं केवल फिल्म जगत में नहीं होतीं, बल्कि समाज के लगभग सभी व्यवसायों में होती हैं।

महिलाओं ने बताया कि यहां सिनेमा जगत में उनके सामने पहली शर्त यही रखी जाती कि क्या वे हर तरह का समझौता करने को तैयार हैं। ऐसी शर्त किसी दूसरे व्यवसाय में नहीं रखी जाती है। फिल्मी दुनिया में यह धारणा भी बनी हुई है कि पैसे और ग्लैमर के लिए जो लड़कियां इस क्षेत्र में आती हैं, वे किसी भी तरह का समझौता कर सकती हैं। इस सोच के कारण यौन संबंधों की मांग, उसकी अपेक्षा रखने में किसी को कोई हिचक या संकोच नहीं होता है।

आउटडोर शूटिंग संकट का दूसरा रूप लेकर आता है। लड़कियों के होटल के दरवाजे शराब में धुत्त लोग जोर-जोर से ठोकते हैं - इस तरह कि दरवाजा तोड़कर वे भीतर ही आ जाएंगे। 'हमें अगली सुबह उन्हीं पुरुषों के साथ ऐसे काम करना पड़ता है, जैसे रात में कुछ हुआ ही न हो! कई बार तो उसी हीरो के साथ हमें अंतरंग सीन भी करने पड़ते हैं जिसने रात में हमारे साथ वहशीपना किया था; और ऐसे में यदि हमारा सही भाव न आए तो उसी दृश्य का बार-बार रिटेक होता है और निर्देशक की डांट अलग पडती है!'

आम लोग बड़ी आसानी से पूछ लेते हैं कि आप पुलिस के पास क्यों नहीं गईं? यही लोग तब एकदम अलग रवैया अपनाते हैं जब उनके घर की महिला पर अत्याचार हुआ हो। समिति ने लिखा है कि 'विशाखा गाइड लाइन' का वर्तमान स्वरूप फ़िल्मी दुनिया के लिए अपर्याप्त है। सरकार को इसकी कोई नई, स्वतंत्र व्यवस्था खड़ी करनी होगी।

'हेमा कमिटी' न केवल मलयाली फ़िल्म जगत के पुरुषों के लिए, बल्कि सारे व्यवसायों के पुरुषों के लिए फिर से एक मौका बनाती है कि वे अपनी बीमार मानसिकता से बाहर निकलें। पुरुषों को अपनी आंतरिक गंदगी साफ करनी चाहिए। महिलाओं का यौन शोषण एक बीमार मानसिकता है, उसका हर किसी को विरोध करना चाहिए। ऐसा नहीं करने का ही परिणाम है कि यह खतरा हमारे दरवाजे पर आ खड़ा हुआ है। कोलकाता में महिला डॉक्टर का रेप और हत्या तथा स्कूलों में हमारे बच्चों के यौन शोषण को हम भूलेंगे तो भूल करेंगे।

महिलाएं जागरूक हो रही हैं, वे अब बलात्कार के लिए खुद को दोषी नहीं मानतीं। वे समाज से सवाल पूछ रही हैं। भ्रूण-हत्या, दहेज-हत्या, रेप, विधवा और तलाकशुदा लड़कियों के बारे में पुरुषों की सोच, लड़कियों की पवित्रता पर जोर, सेक्स को लेकर संकुचित, गंदी मानसिकता का नुकसान महिलाओं को ही नहीं, पुरुषों को और सारे समाज को भी उठाना पड़ रहा है। राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार जैसे राज्यों में दूसरे राज्यों से लड़कियां ब्याह के लिए ख़रीदकर लाई जाती हैं। ऐसे में घर के कई पुरुष उस एक महिला के साथ यौन संबंध बनाते हैं।

इन राज्यों में शादी तथा किसी भी उत्सव में, आर्केस्ट्रा के नाम पर 12-13 या उससे भी कम उम्र की बच्चियों से अश्लील नाच नचवाया जाता है। यह सब सारे समाज में विष घोल रहा है। समाज को ऐसी प्रथाएं बंद करनी होंगी, पुरुषों को ऐसे चलन का विरोध करना होगा, मां-बहन की गालियां देना शर्म का विषय बनाना होगा। बीमार प्रथाएं, रिश्तों की गलत मान्यताएं, शराब व दूसरे नशों का चलन सब हमारे नैतिक पतन को तेज कर रहा है। इंटरनेट हमारे बच्चों को बीमार बना रहा है। बीमार समाज बीमार बच्चों की फसल ही तो उगा सकता है।

हमें 'जस्टिस के. हेमा समिति' का आभारी होना चाहिए कि उसने हमें आईना दिखा दिया है। उसने जो प्रमाण इकट्ठा किए हैं, जैसे दस्तावेज पेश किए हैं, उनमें बदलाव की ताकत है, बशर्ते कि हम बदलने को तैयार हों तथा कानून उस बदलाव को समर्थन देता हो। पुरुष समाज शतुर्मुर्ग की तरह रेत में मुंह गड़ाए रहेगा तो उसके हाथ धूल-गर्द के सिवा कुछ भी नहीं आएगा - स्त्री तो अब उसकी पकड़ से बाहर निकल ही रही है। पुरुष समाज पतित भी होगा और बिखर भी जाएगा। (सप्रेस)

गणेश चतुर्थी पर विशेष

राष्ट्रीय एकता का पर्व है गणेशोत्सव

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक पत्रकार हैं।

गणेश शब्द का अर्थ होता है जो समस्त जीव के ईश अर्थात् स्वामी हो। गणेश जी को विनायक भी कहते हैं। विनायक शब्द का अर्थ है विशिष्ट नायक। वैदिक मत में सभी कार्य के आरम्भ जिस देवता का पूजन से होता है वही विनायक है। गणेश चतुर्थी के पर्व का आध्यात्मिक एवं धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि भगवान गणेश विघ्नो के नाश करने और मंगलमय वातावरण बनाने वाले हैं। गणेश चतुर्थी का त्योहार महाराष्ट्र, गोवा, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु सहित पूरे भारत में काफी जोश के साथ मनाया जाता है। किन्तु महाराष्ट्र में विशेष रूप से गणेशोत्सव को 10 दिनों तक बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। इस त्योहार को गणेशोत्सव या विनायक चतुर्थी भी कहा जाता है।

पुराणों के अनुसार इसी दिन भगवान गणेश का जन्म हुआ था। गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेशजी की पूजा की जाती है। कई प्रमुख जगहों पर भगवान गणेश की बड़ी-बड़ी प्रतिमायें स्थापित की जाती है। इन प्रतिमाओं का नो दिन तक पूजन किया जाता है। बड़ी संख्या में लोग गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने पहुंचते है। नो दिन बाद गणेश प्रतिमाओं को समुद्र, नदी, तालाब में विसर्जित किया जाता है। गणेश चतुर्थी मनाने के दौरान लोग भगवान गणेश की पूजा करते है। गणेश हिन्दू धर्म में सबसे ज्यादा पूजे जाने वाले देवता है। यह उत्सव खासतौर से महाराष्ट्र में मनाया जाता है। हालाँकि अब ये भारत के लगभग सभी राज्यों में मनाया जाने लगा है। गणेश चतुर्थी पर लोग पूरी भक्ति और श्रद्धा से ज्ञान और समृद्धि के भगवान की पूजा करते है।

भगवान गणेश को बुद्धि का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में किसी भी नए काम को प्रारंभ करने से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। माना जाता है कि भगवान गणेश की पूजा करने के बाद प्रारंभ होने वाला कार्य हर हाल में पूरा होगा। भगवान शिव व माता पार्वती के पुत्र गणेश को विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। गणेश चतुर्थी का त्योहार आने से दो-तीन महीने पहले ही कारीगर भगवान गणेश की मिट्टी की मूर्तियां बनाना शुरू कर देते हैं। गणेशोत्सव के दौरान बाजारों में भगवान गणेश की अलग-अलग मुद्रा में बेहद ही सुंदर मूर्तियां मिल जाती है। गणेश चतुर्थी वाले दिन लोग इन मूर्तियों को अपने घर लाते हैं। कई जगहों पर 10 दिनों तक पंडाल सजे हुए दिखाई देते हैं जहां गणेश जी की मूर्ति स्थापित होती हैं। प्रत्येक पंडाल में एक पुजारी होता है जो इस दौरान चार विधियों के साथ पूजा करते हैं। सबसे पहले मूर्ति स्थापना करने से पहले प्राणप्रतिष्ठा की जाती है। उन्हें कई तरह की मिठाईयां प्रसाद में चढ़ाई जाती हैं। गणेश जी को मोदक काफी पंसद थे। जिन्हें चावल के आटे, गुड़ और नारियल

से बनाया जाता है। इस पूजा में गणपति को लड्डूओं का भोग लगाया जाता है।

इस त्योहार के साथ कई कहानियां भी जुड़ी हुई हैं जिनमें से उनके माता-पिता माता पार्वती और भगवान शिव के साथ जुड़ी कहानी सबसे ज्यादा प्रचलित है। शिवपुराण में रुद्रसंहिता के चतुर्थ खण्ड में वर्णन है कि माता पार्वती ने स्नान करने से पूर्व अपने मैल से एक बालक को उत्पन्न करके उसे अपना द्वारपाल बना दिया था। भगवान शिव ने जब भवन में प्रवेश करना चाहा तब बालक ने उन्हें रोक दिया। इस पर भगवान शंकर ने क्रोधित होकर अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। इससे पार्वती नाराज हो उठीं। भयभीत देवताओं ने देवर्षि नारद की सलाह पर जगदम्बा की स्तुति करके उन्हें शांत किया। भगवान शिवजी के निर्देश पर विष्णुजी उत्तर दिशा में सबसे पहले मिले जीव (हाथी) का सिर काटकर ले आए। मृत्युंजय रुद्र ने गज के उस मस्तक को बालक के धड़ पर रखकर उसे पुनर्जीवित कर दिया। माता पार्वती ने हर्षातिरेक से उस गजमुख बालक को अपने हृदय से लगा लिया। ब्रह्मा, विष्णु, महेश ने उस बालक को सर्वाध्यक्ष घोषित करके अग्र पूज्य होने का वरदान दिया। महान क्रांतिकारी बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1882 मे वन्देमातरम नामक एक गीत लिखा था। जिस पर भी अंग्रेजों ने प्रतिबंध लगा कर गीत गाने वालों को जेल मे डालने का फरमान जारी कर दिया था। इन दोनों बातों से लोगो मे अंग्रेजो के प्रति बहुत नाराजगी व्याप्त हो गयी थी। लोगो मे अंग्रेजो के प्रति भय को खत्म करने और इस कानून का विरोध करने के लिए महान स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य तिलक ने गणपति उत्सव की स्थापना की और सबसे पहले पुणे के शनिवारवाड़ा मे गणपति उत्सव का आयोजन किया गया। देश की आजादी के आन्दोलन में गणेश उत्सव ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। 1894 मे अंग्रेजो ने भारत मे एक कानून बना दिया था जिसे धारा 144 कहते हैं जो आजादी के इतने वर्षों बाद आज भी लागू है। इस कानून मे किसी भी स्थान पर 5 से अधिक व्यक्ति इकट्ठे नहीं हो सकते थे। और ना ही समूह बनाकर कहीं प्रदर्शन कर सकते थे।

1894 से पहले लोग अपने अपने घरों में गणपति उत्सव मनाते थे। लेकिन 1894 के बाद इसे सामूहिक तौर पर मनाने लगे। पुणे के शनिवारवड़ा के गणपति उत्सव मे हजारो लोगो की भीड़ उमड़ी। लोकमान्य तिलक ने अंग्रेजो को चेतावनी दी कि हम गणपति उत्सव मनाएगे अंग्रेज पुलिस उन्हे गिरफ्तार करके दिखाये। कानून के मुताबिक अंग्रेज पुलिस किसी राजनीतिक कार्यक्रम मे एकत्रित भीड़ को ही गिरफ्तार कर सकती थी। लेकिन किसी धार्मिक समारोह मे उमड़ी भीड़ को नहीं। 20 अक्टूबर 1894 से 30 अक्तूबर 1894 तक पहली बार 10 दिनो तक पुणे के शनिवारवाड़ा मे गणपति उत्सव मनाया गया। लोक मान्य तिलक वहां भाषण के लिए हर दिन किसी बड़े नेता को आमंत्रित करते। 1895 मे पुणे के शनिवारवाड़ा मे 11 गणपति स्थापित किए गए। उसके अगले साल 31 और अगले साल ये संख्या 100 को पार कर गई। फिर धीरे -धीरे महाराष्ट्र के अन्य बड़े शहरो अहमदनगर, मुंबई, नागपुर, थाणे तक गणपति उत्सव फैलता गया। गणपति उत्सव में हर वर्ष हजारो लोग एकत्रित होते और बड़े नेता उसको राष्ट्रीयता का रंग देने का कार्य करते थे। इस तरह लोगो का गणपति उत्सव के प्रति उत्साह बढ़ता गया और राष्ट्र के प्रति चेतना बढ़ती गई।

1904 में लोकमान्य तिलक ने लोगो से कहा कि गणपति उत्सव का मुख्य उद्देश्य स्वराज्य हासिल करना है। आजादी हासिल करना है और अंग्रेजों को भारत से भगाना है। आजादी के बिना गणेश उत्सव का कोई महत्व नहीं रहेगा। तब पहली बार लोगों ने लोकमान्य तिलक के इस उद्देश्य को बहुत गंभीरता से समझा। आजादी के आन्दोलन में लोकमान्य तिलक द्धारा गणेश उत्सव को लोकोत्सव बनाने के पीछे सामाजिक क्रान्ति का उद्देश्य था। लोकमान्य तिलक ने ब्राह्मणों और गैर ब्राह्मणों की दूरी समाप्त करने के लिए यह पर्व प्रारम्भ किया था जो आगे चलकर एकता की मिसाल बना।

भगवान गणेश ने बिना रुके दस दिनों तक महाभारत लिखी। इस दौरान एक ही स्थान पर लगातार लेखन करने के कारण गणेश जी के शरीर पर धूल और मिट्टी जम गई थी। दसवें दिन गणेश जी ने सरस्वती नदी में स्नान करके शरीर पर जमी धूल और मिट्टी को साफ किया। तभी से गणेश उत्सव के दसवें दिन गणेश जी की मूर्ति का विसर्जन किया जाता है।

लोकमान्य तिलक ने जिस उद्देश्य को लेकर गणेश उत्सव को प्रारम्भ करवाया था वो उद्देश्य आज कितने सार्थक हो रहें हैं। आज के समय में पूरे देश में पहले से कहीं अधिक धूमधाम के साथ गणेशोत्सव मनाये जाते हैं। मगर आज गणेशोत्सव में दिखावा अधिक नजर आता है। आपसी सदभाव व भाईचारे का अभाव दिखता है। आज गणेश उत्सव के पण्डाल एक दूसरे के प्रतिस्पर्धात्मक हो चले हैं। गणेशोत्सव में प्रेरणाएं कोसों दूर होती जा रही हैं और इनको मनाने वालों में एकता नाम मात्र की रह गयी है। इस बार हमें एक बार फिर से संगठित होकर गणेशोत्सव को इतनी खुशी व धूमधाम से मनाना चाहिए जिससे समाज मे एकता व भाईचारा बढ़ सकें। सही मायने में तभी हमारी पूजा सार्थक हो सकेगी।

अभिव्यक्ति

भावनात्मक शुरुआत का मौका पर्व

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

सावन के बाद त्यौहार का सिलसिला शुरू हो जाता है। भारतीय सभ्यता में हर पर्व अपने भीतर गहरे अर्थो को समेटे हुए है। रक्षाबंधन ऐसा ही पर्व है। जो भाई- बहन के पवित्र रिश्ते को सुन्दरता प्रदान करते है। लेकिन जैसे कि समय की मांग होती है कि बदलाव संसार का नियम है। इसी को देखते हुए आज के समय में इस पर्व को भी एक अलग रूप में प्रस्तुत करने का समय आ चुका है। घरों में ही हमें रिश्ते के इस डोर को बाँधने के साथ- साथ इसके अर्थ को भी बताना होगा। हमें अपने बेटों को यह अहसास दिलाना होगा कि मात्र अपने घर की बेटियों से एक धागा बंधवा लेना ही इस पर्व कि सार्थकता को पूरा नहीं करता बल्कि अपनी आस- पास हम ऐसा वातावरण बनाए कि हर लड़की हमारे बेटो के साथ स्वंय को सुरक्षित महसूस करें। तभी हम इस पर्व को मनाने का सुखद अनुभव ले पाएंगे। जब हमारी बेटियां मात्र एक धागे से ही नहीं बल्कि भावनाओं से स्वयं को सुरक्षित महसूस करेंगी। तभी हमारा समाज बदलेगा। स्त्री हमारे समाज की नीव है लेकिन जब वही नींव हमारे समाज के दूसरे महत्वपूर्ण हिस्से अर्थात पुरुष की परछाई से भी असहज होने लगे तो सब पर्व बेमाने हो जाते है। हमें यह सोचने पर मजबूर कर देते है कि यदि एक रेशम की डोर में इतनी ताकत है कि वह वर्षो तक हमारी सभ्यता को संज़ोए रखे तो हमारे भीतर की भावनाएं क्या रेशम से भी कमजोर हो गई है। जब एक रेशम की डोरी को बनाने वाला इंसान है तो हमारी भीतर की भावनाओं को मजबूत करने के लिए हमें किस ताकत की ज़रूरत है? आज ज़रूरत है कि हर घर की बेटी अपने भाई से मात्र अपनी सुरक्षा ही ना मांगे बल्कि रक्षाबंधन पर वह नारी जाति के सम्मान को मांगे। वह यह चाहे कि किसी भी परिस्थिति में किसी भी घर के बेटे के हाथों किसी भी बेटी का अपमान ना हो। हर पुरुष अपने साथ जुडी हर स्त्री को सम्मान को अपना मान समझें। रास्ते चलते हुए हर स्त्री को यह विश्वास हो कि वह सुरक्षित है। हर पुरुष की नजरों में अपने लिए सम्मान देखकर जो खुशी होगी, वही इस पर्व को सार्थकता देगी। हमें अपने बेटों को समझना होगा कि बात मात्र स्त्री के मान की नहीं है बल्कि हमारे बेटों के सम्मान की भी है। जब- जब समाज में बुराई की जड़ एक पुरुष होगा। तब - तब समाज गर्त में जाएगा। जब हमारे बेटो को अपने होने पर किसी को आश्वासन देना पड़े। तब - तब यह हमारे समाज की हार है। त्यौहार मात्र किसी एक दिन को विशेष बनाने के लिए नहीं होते बल्कि यह हमारी संस्कृति की नीवं है। जो हमें हमारे पूर्वजो से धरोहर के रूप में मिली है। जिसे जितना सम्भाल कर रखेंगे। उतना ही हम स्वयं को सशक्त महसूस करेंगे। तो आज से ही हम स्वयं को यह वचन देते है कि आने वाला हर पर्व हमारे समाज में आने वाले सकारात्मक बदलाव की शुरूआत होगा।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

गणेश चतुर्थी

51 नामों की श्रीगणेश स्तुति

सुरेश रायकवार

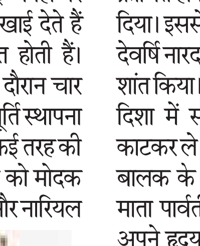

महाकाय, गजवक्र, मान्या, गजानन। विकट विघ्नहर्ता
हे विघ्न-विनाशन।
हे सुखनिधि वाकपति शशिवर्णम । प्रमोद कवीश
अनंत-चिद-रूपम।

हे निदीश्वरम सिद्धिदाता गणेश्वर। हेरंब गजकर्ण कपिल
सुरेश्वर।
विनायक सुरारिघ्न नन्दन लंबोदर। महाबल उमापुत्र
सुमुख एकाक्षर।

अवनीश पीतांबर एकदंता। विघ्नेश्वरा वक्रतुंडम
गणेशा।

बुद्धिपति विश्वमुख लंबकर्णा। अखूरथ
अमित श्रीपति धूम्रवर्णा।

प्रथमेश्वर हे सिद्धि-विनायक। वर-गणपति हे अष्ट-
विनायक।
गणाधिपति गौरीसुत गौरी-नन्दन। हरिद्र मोदकप्रिय
भालचंद्रम।

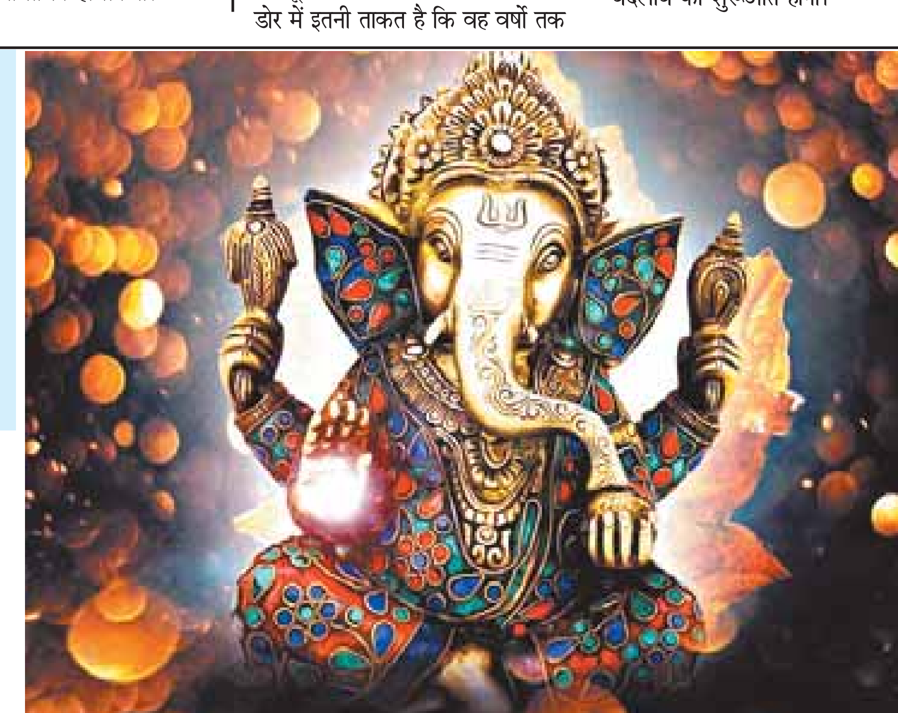

संगठन पर्व

विष्णुदत्त शर्मा

लेखक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद हैं।

विकसित भारत की संकल्प सिद्धि का अभियान

लोकतंत्र की भावना भारतीय जनता पार्टी संगठन की पंच निष्ठाओं में से एक है। यह भावना सिर्फ वैचारिक स्तर पर ही नहीं, अपितु पार्टी के आचरण और उसकी कार्यपद्धति में भी स्पष्ट दिखाई देती है। संगठन पर्व भाजपा का सदस्यता अभियान इसी लोकतांत्रिक कार्य पद्धति का महत्वपूर्ण अंग है, जिसके माध्यम से नए सदस्य भाजपा परिवार से जुड़ते हैं और विचार को विस्तार देते हैं। ऐसे ही विशिष्ट कार्यशैली वाले अभियानों के बल पर भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा सदस्यता ग्रहण किए जाने के उपरांत देश में 2 सितंबर से संगठन पर्व प्रारंभ हो चुका है। हमारे पूर्वजों ने पार्टी संगठन तथा कार्यकर्ताओं को गढ़ने और तराशने के लिए जो त्याग और परिश्रम किया है, उसी के बल पर वर्तमान में मध्यप्रदेश के पार्टी संगठन को पूरे देश में आदर्श माना जाता है। प्रदेश के लाखों-लाख कार्यकर्ता अपनी इस पहचान को कायम रखते हुए संगठन पर्व में पार्टी के विस्तार को नई ऊंचाईयां प्रदान करने को तैयार हैं।

पंचनिष्ठाओं पर आधारित हमारा विचार और आधार– भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म-मानवदर्शन' को अपने वैचारिक, दर्शन के रूप मंय अपनाया है तथा सुशासन, विकास एवं सुरक्षा भाजपा की प्राथमिकताएं हैं। पार्टी ने पांच प्रमुख सिद्धांतों के प्रति भी अपनी निष्ठा व्यक्त की है, जिन्हें 'पंचनिष्ठा' कहते हैं। यह पंचनिष्ठाएं राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सकारात्मक पंथ-निरपेक्षता (सर्वधर्म समभाव), गांधीवादी समाजवाद (सामाजिक-आर्थिक विषयों पर गाँधीवादी दृष्टिकोण द्वारा शोषण मुक्त समरस समाज की स्थापना) तथा मूल्य आधारित राजनीति है। भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जो वैचारिक प्रतिष्ठान और अधिष्ठान पर चलती है, और जो राष्ट्रवादी विचारों से जुड़ी है। हमें गर्व है कि हमारा दल देश का ऐसा एकमात्र राजनीतिक दल है, जिसने राष्ट्रहितों के साथ कभी समझौता नहीं किया, अन्य सभी दलों ने सत्ता प्राप्ति एवं स्वार्थ सिद्धि के लिए एक नहीं, अनेकों बार समझौता किया। भाजपा के लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का साधन नहीं है, समाज को अपेक्षित दिशा में प्रगति पथ पर ले जाना भी उसका पहला कार्य है। इसके लिये संगत दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जो संगत विचारधारा से प्राप्त होता है। भाजपा को छोडकर आज भारत के सभी राजनैतिक दल विचारधारा की शून्यता के शिकार हैं। भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद तथा पंचनिष्ठाओं की संगत विचारधाराओं के आधार पर संगठन का नियमन कर रही है। शासन की नीति में भी इनका समुचित प्रतिबिम्बन होगा। भाजपा राष्ट्र प्रथम के साथ शोषित, वंचित, पीड़ित का उत्थान और सेवा कर रही है।

राष्ट्र सर्वोपरि के भाव से अनेकानेक ऐतिहासिक निर्णय हुए– हमारे विचार की संकल्प शक्ति की वजह से ही लगभग पांच सौ वर्षों की प्रतीक्षा के पश्चात आज अयोध्या में भव्य व दिव्य राम मंदिर के निर्माण का सपना वास्तविकता बना है। हमारे पार्टी के संस्थापकों एवं असंख्य कार्यकर्ताओं ने श्रीरामलला को अपने मंदिर में विराजमान देखने हेतु अपनी चुनी हुई सरकारें भी न्यौछावर कर दीं, यह अपने विचारधारा पर अडिग रहने का एक उदाहरण मात्र है। हमारे पितृपुरुषां का संकल्प एवं एक देश में 'दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे की पूर्ति स्वरूप अनुच्छेद 370 को हटाने ऐतिहासिक निर्णय हमारी ध्येय पूर्ति की यात्रा का और एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार एवं हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं देश के वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह के कार्यकाल में भाजपा ने अटलजी की सरकार तथा तत्कालीन संगठन की नीतियों को दिशा देने के प्रयास के साथ ही अपनी विचारधारा अनुरूप 'राष्ट्र सर्वोपरि मानकर अनेकानेक ऐतिहासिक निर्णय किये हैं जो हमारी विचारों की स्पष्टता को प्रतिलक्षित करते हैं। हमारे संस्थापकों ने भारत को विश्व गुरू बनाने का जो सपना देखा था आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उस ओर हम कर्तव्यपरायणता के साथ अग्रसर हैं।'

अंत्योदय का सपना साकार कर रही मोदी सरकार– हमारी ध्येय यात्रा में पूर्ण बहुमत की सरकार आते ही तीन तलाक कानून, नागरिकता संशोधन कानून, आपराधिक न्यायिक कानूनों में बदलाव के साथ ही पंडित दीनदयाल जी के अंत्योदय पर आधारित गरीब-कल्याण की योजनाओं के द्वारा करोड़ों गरीब लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम भी हुआ है। हमारी केंद्र की सरकार ने अंत्योदय के सिद्धांत अनुरूप ही 50 करोड़ से अधिक लोगों के जनधन खाते खुलवाए और आयुष्मान, उज्ज्वला और पीएम आवास जैसी अनुकरणीय योजनाएं संचालित की गईं और देश खुले में शौच से मुक्त हुआ। घर-घर बिजली पहुंचाई गई, 10 करोड़ से अधिक परिवारों को गैस कनेक्शन दिए गए और हर घर शुद्ध पेयजल पहुँचाया। कुछ प्रमुख आधारभूत कार्य हैं जो देश की पूर्ववर्ती सरकारों के 50 वर्षों के शासनकाल की प्राथमिकता होनी चाहिए थी, किन्तु वोट बैंक की राजनीति की वजह से किसी एक वर्ग विशेष की चिंता ही उनकी राजनीति की प्राथमिकता रही है। वे तुष्टीकरण करते रहे, हमने संतुष्टीकरण करने का ईमानदार प्रयास किया। वास्तव में, केंद्र और राज्यों की हमारी सरकारें सुशासन के प्रति समर्पित रहती हैं क्योंकि यही लोकतंत्र की आवश्यकता है। भाजपा समाज के आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति के विकास की बात ही नहीं करती, बल्कि उसे चरितार्थ भी करती है। भाजपा के सिद्धांतों के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पारदर्शिता के शासन से देश के लोकत्रंत को मजबूती दी है, जिससे सामान्य व्यक्ति आज गरिमा के साथ जीवनयापन कर रहा है।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ विश्व में एक बड़ी ताकत बनकर उभरा भारत– आज भारत ही नहीं पूरा विश्व देख रहा है कि एक राजनीतिक दल और उसका नेतृत्व किस प्रकार अपने उन संकल्पों को पूरा करने में सफल सिद्ध हुआ है, जिन्हें पूरा करना कभी असंभव सा लगता था। भाजपा सरकार में अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ विश्व में एक बड़ी ताकत बनकर उभरे भारत ने अपने पुराने स्वाभिमान और आत्मगौरव को भी वापस हासिल किया है। राष्ट्रीय संकट में जनकल्याण की कसौटी पर भी भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में भाजपा के नेतृत्व ने एक अनूठा उदाहरण विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया है। कोरोना संकट में दुनिया के अनेक देशों ने जहाँ अपने नागरिकों को अपने हाल पर छोड़ दिया, वहीं भारत में भाजपा की मोदी सरकार ने अपने हर नागरिक के जीवन को अमूल्य मानते हुए उनके लिए अनाज के साथ दवाओं और अन्य वस्तुओं को उपलब्ध कराया। स्वदेशी वैक्सीन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका तो निभाई और हर नागरिक के लिए उसे मुफ्त उपलब्ध कराने हेतु विश्व का सबसे बड़ा वैक्सिनेशन अभियान चलाकर दुनिया से अपने सामर्थ्य का लोहा भी मनवा लिया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास ही भाजपा का मूलमंत्र बन गया है।

विकसित भारत हेतु सदस्यता अभियान– लगभग 44 वर्षों की इस यात्रा में आज हमारी भाजपा भारतीय राजनीति के जिस शीर्ष पर पहुंची है, वो हमारी विचारधारा के प्रति एकनिष्ठ और समर्पित भाव से बढ़ते रहने के कारण ही संभव हुआ है। अपने 45 वें वर्ष में दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल ने चार दशक पूर्व जो सपने देखे, वह तो साकार हुए ही हैं, साथ ही स्वाधीनता के अमृत वर्ष में मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को अपना दिशा-सूत्र बना चुका है, जिसको पूरा करने का दारोमदार भी भारतीय जनता पार्टी के कोटि-कोटि कार्यकर्ताओं के कंधों पर है। देश की सेवा के लिए अधिकाधिक लोगों को आव्हान और प्रेरित करना भाजपा का संगठन पर्व है। भारतीय जनता पार्टी का यह संगठन पर्व केवल सदस्यता आंकड़ों को बढ़ाने और सत्ता सुख भोगने के लिए नहीं है, बल्कि जनता का दुख-दर्द दूर करने के साथ देश का मान-सम्मान बढ़ाने के लिए है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा था कि 'आज का विरोधी कल हमारा मतदाता बने, कल का मतदाता परसों भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बने और परसों का सदस्य हमारा सक्रिय कार्यकर्ता बने'। निश्चित ही भाजपा अपनी संकल्प शक्ति, निष्ठा और नियति से इस लक्ष्य को पूरा करेगी तथा हमारे सदस्य देश के भविष्य-निर्माण की प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका निभाते हुए संकल्प सिद्धि की ओर अग्रसरता में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

मुद्दा

अंजलि

सोशल मीडिया के दौर में घट रही पढ़ाई में रुचि

रील, यूट्यूब, वायरल, ट्रेंडिंग फ़लाना ढिमाका ना जाने ऐसे और कितने ही शब्द आजकल बच्चे-बच्चे की ज़ुबान का तकिया कलाम बन चुके हैं। सोशल मीडिया के मकड़जाल में हम सभी बुरी तरह फँस चुके हैं लेकिन अगर सबसे ज़्यादा कोई इस चक्रव्यूह में फँसता दिख रहा है तो वो है बच्चे और युवा। एक वक्त था जब बच्चों के हाथ किताबें हुआ करती थीं या बल्ले-बैडमिंटन हुआ करते थे। लेकिन आज उन्हीं बच्चों के हाथ मोबाइल फ़ोन्स आ गये हैं। पैरेंट्स भी अपनी सहूलियत को सर्वोपरि रखकर छोटे बच्चों के हाथ मोबाइल फ़ोन्स थमा देते हैं। लेकिन सच मानिए अगर आप मोबाइल और सोशल मीडिया को आज के दौर का मैजिक मानते हैं तो बेशक ये आज दौर में बच्चों के लिए मॉन्सटर भी साबित होता जा रहा है। आज बच्चे साईंटिस्ट बनने से ज़्यादा सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर बनने की सोचने लगे है। युवा पीढ़ी कॉलेज पढ़ने कम और कॉलेज के अच्छे व्यू और लाइटिंग में रील वीडियो बनाने ज़्यादा जाने लगी है। अगर किसी की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई तो लोग अपना

करियर ही इसमें देखने लगते हैं। एक दौर था जब लोग अच्छे नंबर लाने की होड़ में अग्रसर हुआ करते थे और एक दौर ये है जहां लोग लाइक, फ़ॉलोवर, व्यूज और सब्सक्राइबर की होड़ में अग्रसर हैं। ऐसा नहीं है कि ये ग़लत है लेकिन ये चीज़ पढ़ाई और करियर से ऊपर नहीं है। जिस तरह कम्पटीशन की दुनिया है ऐसे में चाहे आप इंस्टग्राम पर इन्फ्लुएंसर बने या यूट्यूबर बन जाये लेकिन अपनी पढ़ाई ज़रूर पूरी करें ताकि अगर खुदा ना ख़ास्ता डिजिटल युग की इस अद्वितीय दुनिया में आपकी दुकान ना चले तो आपके पास प्लान बी, आपकी योग्यता आपके साथ हो। हालांकि ये बहुत कॉमन सी बात है सुनने में लेकिन आज ना ही बच्चे और ना ही माता-पिता इस चीज़ को लेकर सीरियस नज़र आते हैं। अर्बन सोसाइटी हो या रूलर एरिया, ये सोशल मीडिया कल्चर कोरोना वायरस की तरह फैल रहा है। बचपन में 'विज्ञान एक वरदान या अभिशाप' पर बहुत डीबेट किया करते थे। लेकिन आज ये वाक्य समाज का आईना बनता हुआ नज़र आ रहा है। हालांकि ये एक नेवर एंडिंग टॉपिक है लेकिन सोशल मीडिया का ये रील कल्चर युवाओं ख़ासकर बच्चों के लिए वरदान कम और अभिशाप ज़्यादा बनता दिख रहा है। किताब में रुचि कम और बच्चों की तीस सेकेंड के वीडियो में रुचि ज़्यादा है। आज बच्चों को जॉनी-जॉनी भले याद ना हो लेकिन अहा टमाटर बड़े मज़ेदार या फिर मोये-मोये जैसे सोशल मीडिया ट्रेंड ज़बानी याद हैं। लेकिन ये कमी बच्चों की कम और अभिभावक की ज़्यादा है जो बच्चे के रोने, खाना ना खाने या फिर खुद शांति से नेटफ़्लिक्स देखने, बातें करने के लिए बच्चों के हाथ में ये फ़ोन थमा देते हैं। वहीं युवाओं की बात करें तो आजकल युवाओं को देश की इकॉनमी के बारे में पता हो ना हो लेकिन इंस्टा एल्गोरिथम का बराबर ज्ञान रहता है। कुछ दिनों पहले हमने इसी सोशल मीडिया पर एक प्रतिष्ठित युनिवर्सिटी का वायरल वीडियो देखा था जहां कॉलेज के छात्र प्रोटेस्ट तो कर रहे थे लेकिन उन्हें यही नहीं पता था कि वहां प्रोटेस्ट चल क्या रहा है? ऐसे दिग्भ्रमित युवाओं के कई वीडियोज़ आपको इसी सोशल मीडिया पर मिल जाएंगे। जैसा कि मैंने पहले भी कहा ये एक कभी ना ख़त्म होने वाला टॉपिक है लेकिन यहां गौर करने वाली बात है कि बच्चे हो उनके अभिभावक हों या फिर युवा पीढ़ी इनको समझना होगा कि सोशल मीडिया हमारे जीवन का हिस्सा है हमारा पूरा जीवन नहीं है। सोशल मीडिया को अपना पूरा जीवन सौंपना या मान लेना बेवक़ूफ़ी के अलावा और कुछ भी नहीं। जीवन में आपके पास कुछ हो या ना हो लेकिन विद्या ज़रूर होनी चाहिए ताकि परिस्थिति कितनी भी विषम हो जाये अपनी योग्यता आपका प्लान बी बनकर हमेशा आपके पीछे डटकर खड़ा रहे।

उच्च शिक्षा

अंकिता पटेल

लेखिका राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग की शोधार्थी हैं।

बढ़ती फीस और अंग्रेजी का वर्चस्व : गरीबों के लिए संकट

भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों की बढ़ती फीस और अंग्रेजी के बढ़ते प्रचलन ने गरीब और ग्रामीण परिवेश के बच्चों के लिए, विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना मुश्किल बना दिया है। ऐसे बच्चे, जिनके पिता मजदूरी करके घर चलाते हैं, उनके लिए अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा दिलाना एक बड़ी चुनौती है। यह स्थिति गरीब निम्न वर्ग के लोगों को उच्च शिक्षा से वंचित कर रही है। भारत में हिंदी बोलने वाले लोगों की संख्या बहुत अधिक है, लेकिन फिर भी हिंदी को अपनाने में संकोच किया जाता है। भारतीय नई शिक्षा नीति (NEP) भले ही बहुभाषावाद को बढ़ावा देती हो, लेकिन अधिकांश केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी ही है। यहाँ यह स्पष्ट करना महत्वपूर्ण है कि किसी भाषा का विरोध करना उद्देश्य नहीं है। परन्तु, अंग्रेजी के वर्चस्व के कारण भारत अपनी भारतीयता खो रहा है। अंग्रेजी के बढ़ते प्रचलन के कारण, भारत आज भी अंग्रेजी के तले उतना ही गुलाम नजर आता है जितना पहले था।

देश में उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाने का सपना हर विद्यार्थी देखता है, परंतु वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह सपना गरीब और ग्रामीण वर्ग के विद्यार्थियों के लिए कठिनाई भरा होता जा रहा है। इसका मुख्य कारण है उच्च शिक्षण संस्थानों की बढ़ती फीस और अंग्रेजी भाषा का बढ़ता वर्चस्व। भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों की बढ़ती फीस और अंग्रेजी के बढ़ते प्रचलन ने गरीब और ग्रामीण परिवेश के बच्चों के लिए, विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना मुश्किल बना दिया है। ऐसे बच्चे, जिनके पिता मजदूरी करके घर चलाते हैं, उनके लिए अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा दिलाना एक बड़ी चुनौती है। यह स्थिति गरीब निम्न वर्ग के लोगों को उच्च शिक्षा से वंचित कर रही है। भारत में हिंदी बोलने वाले लोगों की संख्या बहुत अधिक है, लेकिन फिर भी हिंदी को अपनाने में संकोच किया जाता है। भारतीय नई शिक्षा नीति (NEP) भले ही बहुभाषावाद को बढ़ावा देती हो, लेकिन अधिकांश केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी ही है। यहाँ यह स्पष्ट करना महत्वपूर्ण है कि किसी भाषा का विरोध करना उद्देश्य नहीं है। परन्तु, अंग्रेजी के वर्चस्व के कारण भारत अपनी भारतीयता खो रहा है। अंग्रेजी के बढ़ते प्रचलन के कारण, भारत आज भी अंग्रेजी के तले उतना ही गुलाम नजर आता है जितना पहले था।

बढ़ती फीस का बोझ

पिछले कुछ वर्षों में, उच्च शिक्षण संस्थानों की फीस में अत्यधिक वृद्धि देखी गई है। गरीब और निम्न मध्यवर्गीय परिवारों के लिए यह एक भारी बोझ बनता जा रहा है। उदाहरण के लिए, एक सामान्य इंजीनियरिंग कॉलेज की फीस 1 लाख से 2 लाख रुपये तक हो सकती है, जो कि एक मजदूर या निम्न आय वर्ग के परिवार के लिए असंभव सी बात है।

अधिकांश केंद्रीय और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी बना हुआ है। यह ग्रामीण और हिंदी भाषी क्षेत्रों के छात्रों के लिए एक बड़ी बाधा है। जहां एक तरफ़ भारतीय नई शिक्षा नीति (NEP) बहुभाषावाद को बढ़ावा देती है, वहीं दूसरी ओर, उच्च शिक्षण संस्थानों में अंग्रेजी का एकछत्र राज चलता है।

भारत में हिंदी भाषी जनसंख्या काफी अधिक है, फिर भी हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को उच्च शिक्षा में वह स्थान नहीं मिल पा रहा है, जो मिलना चाहिए। हिंदी माध्यम से स्कूल की शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जब उच्च शिक्षा के लिए आते हैं, तो उन्हें अंग्रेजी के साथ संघर्ष करना पड़ता है। यह स्थिति उन्हें न केवल मानसिक रूप से प्रभावित करती है, बल्कि उनके शैक्षिक प्रदर्शन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रभाव

अंग्रेजी भाषा के बढ़ते दबाव के कारण, कई बार विद्यार्थी विषय की गहराई को समझने में असमर्थ रहते हैं। परिणामस्वरूप, शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट देखने को मिलती है। जब विद्यार्थी अपनी मातृभाषा में शिक्षा ग्रहण करते हैं, तो वे विषय की जटिलताओं को आसानी से समझ सकते हैं, जिससे उनका ज्ञान और भी गहन होता है।

भारत विविध संस्कृतियों और भाषाओं का देश है। परंतु, अंग्रेजी के बढ़ते चलन के कारण भारतीय संस्कृति और भाषाओं पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अंग्रेजी का अंधानुकरण कहीं न कहीं हमारी भारतीय पहचान को खोखला कर रहा है। भारतीयता की जड़ें जो हमारे समाज में गहरी थीं, वे धीरे-धीरे कमजोर हो रही हैं।

आंकड़े बताते हैं कि

- भारत में उच्च शिक्षा की फीस पिछले दशक में लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ी है, जिससे गरीब वर्ग के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना और कठिन हो गया है।
- देश के 70 प्रतिशत से अधिक केंद्रीय विश्वविद्यालयों में केवल अंग्रेजी माध्यम से ही शिक्षा दी जाती है, जिससे ग्रामीण और गरीब वर्ग के विद्यार्थियों के लिए प्रवेश में कठिनाई होती है।
- हिंदी भाषी क्षेत्रों में लगभग 60 प्रतिशत छात्र हिंदी माध्यम से पढ़ाई करते हैं, लेकिन उच्च शिक्षा के लिए उन्हें अंग्रेजी का सहारा लेना पड़ता है।
- देश में उच्च शिक्षा को सुलभ और प्रभावी बनाने के लिए नीतिगत स्तर पर सुधार की आवश्यकता है।
- फीस वृद्धि पर नियंत्रण और गरीब विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए।
- हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को उच्च शिक्षा में अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि विद्यार्थी अपनी मातृभाषा में ज्ञान प्राप्त कर सकें।
- अंग्रेजी के बढ़ते वर्चस्व को नियंत्रित करते हुए भारतीयता को संरक्षित करने पर बल दिया जाना चाहिए।

इन परिस्थितियों में, यह आवश्यक है कि उच्च शिक्षा को सुलभ और समावेशी बनाया जाए, ताकि सभी वर्गों के विद्यार्थी समान अवसर प्राप्त कर सकें। साथ ही, भारतीय भाषाओं को भी शिक्षा के माध्यम के रूप में और अधिक बढ़ावा देना चाहिए, ताकि भारत अपनी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखते हुए आधुनिकता की ओर अग्रसर हो सके। यदि हम सही दिशा में कदम बढ़ाते हैं, तो उच्च शिक्षा सभी के लिए सुलभ हो सकती है, और हमारी भारतीयता भी सुरक्षित रह सकती है।

कलेक्टर ने भारी वाहनों पर प्रतिबंध लगाया, आदेश हवा में

शहर में रोज बड़े वाहनों की धमाचौकड़ी, स्टेशन के सामने लग रही ट्रकों की लंबी कतार

बैतूल। शहर में भारी वाहनों के प्रवेश को लेकर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश के बाद तय की गई मियाद एक बार फिर हवा होती नजर आ रही है। आश्चर्य इस बात का है कि शहर की व्यवस्था हो या फिर आम जनता की समस्याओं का समाधान। कोई भी विभाग कलेक्टर के निर्देशों को उतनी तवज्जो नहीं दे रहा जितना देना चाहिए। चाहे वह शहर का अतिक्रमण हो, या भारी वाहनों का प्रवेश हो। शुक्रवार सुबह 7 बजे से स्टेशन के सामने ट्रकों की लंबी कतार लगी हुई होने के बाद लोग तो परेशान होते रहे, लेकिन इन वाहनों को हटाने या कार्यवाही करने के लिए ना ही यातायात पुलिस कोई ध्यान दे रही है और ना ही जनप्रतिनिधि इस समस्या का कोई स्थायी समाधान खोजने के प्रति गंभीर है।

सड़क पर ही खड़े दर्जनों ट्रक-वाहनों के प्रवेश निषेध का हो रहा उल्लंघन-कुछ ही दिनों पूर्व कलेक्टर के निर्देश के बाद यातायात एवं सड़क सुरक्षा समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया था कि सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे और शाम 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक शहर के किसी भी हिस्से में भारी वाहनों का प्रवेश नहीं हो पाएगा, लेकिन चंद दिनों के भीतर ही इन आदेशों को हवा में उड़ा दिया गया। सुबह 7 बजे से स्टेशन रोड पर एक के पीछे एक दर्जनों ट्रकों के खड़े होने के बाद सड़क की एक लेन पूरी तरह बाधित कर दी गई। इस दौरान पल पल सड़क पर जाम लगते रहा। यात्री बसों के साथ साथ

स्कूली बच्चों के वाहन और स्टेशन से निकलने वाले सवारी ऑटो, जाम में फंसते रहे।वहीं जिन दुकानों के सामने यह ट्रक खड़े हुए थे, वे दुकानदार भी परेशान होते रहे, क्योंकि उनकी ग्राहकी भी इससे प्रभावित हो रही थी, लेकिन एक भी ट्रेफिक कर्मी यहां मौजूद नहीं था जो आम जनता को होने वाली परेशानियों को सुलझाने का प्रयास करता नजर आता। स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि स्टेशन के सामने ट्रकों का इस बेतरतीबी से खड़े रहना हमेशा का शगल बन चुका है, लेकिन ना ही कोई कार्यवाही की जाती है और ना ही व्यवस्था बनाये जाने के कोई प्रयास किये जा रहे हैं। जिससे पुलिस चौकी से लेकर कांतिशिवा चौक तक सभी दुकानदारों सहित आम जनता परेशान है।

समिति को सांझवीर का सुझाव-चूंकि यहां रेलवे गोडाउन होने से ट्रकों में माल की लोडिंग अनलोडिंग का होना भी जरूरी है, लेकिन यदि समिति के सदस्य चाहें तो समस्या का समाधान भी निकाला जा सकता है। सांझवीर टाईम्स के सुझाव के मुताबिक रेलवे गोडाउन से लेकर स्टेशन परिसर में इतनी जगह मौजूद है कि एक बार मे इस परिसर के भीतर करीब एक दर्जन ट्रकों को खड़ा किया जा सकता।

रेलवे की रैक लगने के बाद पहले इन ट्रकों को लोड कर बाहर निकालने के बाद ही दूसरे ट्रकों को यदि प्रवेश दिया जाए तो काफी हद तक समस्या का समाधान हो सकता है। प्रशासन को इसके लिए सीधे ट्रांसपोर्टर को यह निर्देश देने होंगे कि परिवहन के लिए जो ट्रक लगाए जा रहे हैं उन्हें खड़े किए जाने की व्यवस्था स्टेशन रोड के अलावा कहीं और कि जाए। जैसे-जैसे ट्रक लोड हों उसके तत्काल बाद अन्य जगहों पर खड़े ट्रकों को परिसर में सीधा प्रवेश मिल सके। यदि इस तरह का प्रयास किया जाता है तो काफी हद तक इस समस्या का समाधान होने की सम्भवना बन सकती है।

इनका कहना

स्टेशन के बाहर ट्रकों की पार्किंग किए जाने की सूचना पर ट्रेफिक कर्मी मौके पर भेजे गए हैं। स्थायी समाधान के लिए उच्चाधिकारियों से चर्चा करेंगे।

गजेंद्र केन, यातायात प्रभारी बैतूल

10 दिवसीय गणेश उत्सव और ईद के लिए गाइडलाइन जारी, नियमों का उल्लंघन किया तो होगी कार्रवाई

बैतूल। बैतूल में गणेश उत्सव और ईद मिलादुन्नबी पर्व को लेकर निकलने वाले चल समारोह के लिए गाइडलाइन जारी हुई है। पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया ने निर्देश जारी किए है कि गणेश उत्सव और मिलादुन्नबी पर्व पर निकलने वाले जुलूस, वाहन रैली और डीजे के लिए अनुमति लेना आवश्यक होगा। रैली में शामिल डीजे को निर्धारित साउंड क्षमता में ही बजाना होगा। अधिक साउंड में बजाया गया तो कार्रवाई की जाएगी। जारी गाइड लाइन के अनुसार गणेश पंडाल की सुरक्षा के संबंध में पंडाल प्रभारी को पर्याप्त वालंटियर रखने एवं उनकी सूची तैयार कर उन्हें नामदज कार्ड जारी करने के निर्देश दिए है। असामाजिक तत्व जो माहौल खराब करने की कोशिश करेंगे। ऐसे लोगों की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जहां प्रतिमाएं स्थापित की है, वहां सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। आगजनी और शॉर्ट-सर्किट से बचने के लिए सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हो। प्रतिमा विसर्जन के दौरान निर्धारित मार्ग से ही प्रतिमा को ले जाने के निर्देश दिए गए। एसपी ने गणेश उत्सव और मिलादुन्नबी पर्व को लेकर थाना प्रभारियों को भी निर्देश जारी किए है, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था बनाने और थाना क्षेत्र में शांति समिति की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए है। किसी ने नियमों का उल्लंघन किया तो ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हरतालिका तीज पर ताप्ती तट पर उमड़ी महिलाओं की भीड़,महिलाएं शिवपूजन कर घर लाई गौर

बैतूल/मुलताई। हरतालिका तीज पर गौर लाने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं ताप्ती तट पर पहुंची, जहा विधि विधान से पूजन अर्चन कर भगवान शिव की स्थापना के लिए गौर (रेत) प्राप्त की। जिसका कल गणेश चतुर्थी पर ज्वारे के साथ जल में विसर्जन किया जाएगा। हरतालिका तीज पर सुबह से ही हजारों की संख्या में महिलाएं ज्वारा लेकर ताप्ती तट पहुंची। मां ताप्ती एवं भगवान शिव की पूजा अर्चना की और भगवान शिव से अपने परिवार के सुख समृद्धि की कामना कर सुहाग की सलामती मांगी। हरतालिका तीज के संबंध में पंडित गणेश शंकर त्रिवेदी बताते हैं कि इस दिन महिलाएं सरोवर या नदियों पर जाकर गौर के रूप में रेत घर लाती है, जिससे प्रतीक के रूप में भगवान शिव की स्थापना की जाती है। इसके उपरांत रात में भगवान शिव का पूजन होता है। हरतालिका की कथा का महिलाएं श्रवण कर असीम पुण्य की प्राप्ति करती है। इसके उपरांत गणेश चतुर्थी पर महिलाएं फिर ज्वारे का विसर्जन करती है। दो दिन महिलाए अपने पति की लंबी आयु के लिए उपवास रखती है। ताप्ती तट स्थित राम मंदिर के सामने नगर पालिका ने इस बार नो व्हीकल जोन बना कर सुविधा उपलब्ध कराई है। नगर पालिका द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए है।

अभिलाषा बाथरी को जिला व विकासखंड स्तर पर शोध कार्य हेतु मिला सम्मान,पीएमश्री विद्यालय की शिक्षिका अभिलाषा बाथरी ने किया महत्वपूर्ण अनुसंधान

बैतूल। संकुल केंद्र पीएम श्री महारानी लक्ष्मी बाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैतूल की शिक्षिका अभिलाषा बाथरी को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रभात पट्टन द्वारा जिला और विकासखंड स्तर पर उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए सम्मानित किया गया है। अभिलाषा बाथरी ने वर्ष 2022-23 में प्राथमिक शाला में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के प्रयोग से विद्यार्थियों के उपलब्धि स्तर में वृद्धि पर शोध किया, जिससे शिक्षा में तकनीकी साधनों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से छात्रों के प्रदर्शन में सुधार देखा गया। इसके बाद, सत्र 2023-24 में अभिलाषा बाथरी ने दिव्यांग छात्राओं की समस्याओं के निराकरण से उपलब्धि स्तर में वृद्धि पर विकासखंड स्तर पर क्रियात्मक अनुसंधान किया। इस शोध के माध्यम से उन्होंने विशेष रूप से दिव्यांग छात्राओं की समस्याओं को समझकर उनके समाधान पर काम किया, जिससे उनकी शैक्षिक उपलब्धियों में महत्वपूर्ण सुधार हुआ।

इस उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रभात पट्टन, बैतूल के प्राचार्य अरुण कुमार इंगले और शोध प्रभारी श्रीमती सरिता आण्डे ने अभिलाषा बाथरी को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। एमएलबी प्रभारी प्राचार्य बी.सी. पांडे और पूरे शाला परिवार ने अभिलाषा बाथरी को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी शिक्षिका अभिलाषा बाथरी ने कहा कि उनका उद्देश्य हमेशा शिक्षा को बेहतर बनाना और छात्रों को उनके सपनों की ओर अग्रसर करना रहा है। आईसीटी के प्रभावी उपयोग और दिव्यांग छात्रों के लिए उचित समाधान ढूंढने की दिशा में उनका यह शोध भविष्य में और भी बड़े प्रयासों की ओर ले जाएगा। उनके इस शोध कार्य से बैतूल जिले की शिक्षा प्रणाली में एक नई दिशा और ऊर्जा आई है, जिससे विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों को लाभ मिलेगा।

गौरक्षा को लेकर राष्ट्रीय हिन्दू सेना का महाअभियान जारी

7 दिनों में 300 गौवंश को बांधे रेडियम बेल्ट

बैतूल। विगत सात दिनों से राष्ट्रीय हिन्दू सेना द्वारा गौवंश की सुरक्षा के लिए गौ सेवा गौ रक्षा अभियान चला कर नगर में घूम रहे गौवंश को रेडियम से बने हुए बेल्ट बांधने का अभियान चलाया जा रहा है। जिससे गोवंश की रक्षा तो होगी साथ ही आम जनों को भी दुर्घटनाओं से राहत मिलेगी। प्रांत प्रवक्ता अखिलेश वाघमारे ने बताया कि संगठन निरंतर गौ सेवा में सक्रिय भूमिका निभाते रहा है इसी तारतम्य में यह अभियान चलाया जा रहा है। प्रांत संगठन मंत्री बंटी सरियाम ने बताया की गौ सेवा अभियान चलाकर संगठन ने 300 गोवंश को रेडियम से बने हुए बेल्ट बांधे है। बेल्ट बांधने के बाद नगर में गोवंश एवं आम जनों की दुर्घटनाओं में कमी आएगी। पूर्व में सड़क पर रात्रि में गोवंश के बैठे होने के कारण वाहन चालकों को गौवंश नजर नहीं आते थे जिस कारण लगभग गौवंश की दुर्घटना के कारण मौत होने की जानकारी लगातार मिलती रहती थी। प्रांत सह सचिव राजकुमार सेमकर ने बताया कि यह अभियान में लगातार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय, प्रदेश संयोजक पवन मालवीय,प्रांत सह संगठन मंत्री शुभम इंगले, विभाग अध्यक्ष दीपक कोसे,युवा विभाग अध्यक्ष मनीष मालवीय, जिला अध्यक्ष अनुज राठौर,जिला संयोजक के मार्गदर्शन में सतत जारी रहेगा। इस अवसर पर नवीन पटेल, तहसील अध्यक्ष विक्रांत कनाठे,युवा तहसील संयोजक संदीप मालवीय नगर अध्यक्ष सन्नी साहू,नगर युवा संयोजक रोहित मालवीय, नगर महामंत्री बिटू गोयल, नगर सह संयोजक प्रवीण साहू, प्रखंड अध्यक्ष सोमेश सोनी, प्रखंड मंत्री अरविंद मासोदकर, वरिष्ठ सहयोगी लक्ष्मीनारायण यादव, गोलू उघड़े, देवा पवांर, सागर पवार आदि मौजूद थे।

फिर बढ़ाया डॉ. कीर्ति सिंह ने बैतूल का मान

बैतूल। सामाजिक संस्थान भोपाल मध्य प्रदेश का बौद्धिक जन सम्मेलन संपन्न हुआ। जिसमें बैतूल निवासी और वर्तमान में शासकीय महाविद्यालय गीतांजली में फाईन आर्ट के विभागाध्यक्ष डॉ.कीर्ति सिंह सम्मानित किए गए। डॉ.सिंह को यह पुरस्कार समाज के प्रति समर्पित उनकी उत्कृष्ट चित्रकला और मूर्तिकला के लिए दिया गया है। उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में महापुरुषों की स्वयं के हाथों से बनी बहुत सी मूर्तियां निशुल्क दी हैं। अभी भी बहुत सी मूर्तियों का कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में डॉ.सिंह स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियां बना रहे हैं। इनकी इस उपलब्धि पर जिले के कलाप्रेमियों ने उन्हें बधाई दी है।

सदस्यता महाभियान को लेकर भाजपा ने की पत्रकारवार्ता

सदस्यता अभियान के शुभारंभ पर बनाए 60 हजार सदस्य : बबला शुक्ला

राष्ट्र प्रथम की भावना से प्रेरणा लेकर चल रहा महाअभियान: हेमंत खंडेलवाल

बैतूल। भाजपा पार्टी द्वारा संगठन पर्व सदस्यता अभियान 2024 का शुभारंभ हो गया है। जिसको लेकर भाजपा ने जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में पत्रकार वार्ता आयोजित कर सदस्यता अभियान की जानकारी पत्रकार बंधुओं को दी गई। पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला, विधायक हेमंत खंडेलवाल, जिला सदस्यता टोली सदस्य कमलेश सिंह एवं कृष्णा गायकी, जिला मीडिया प्रभारी सूर्यदीप त्रिवेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 सितंबर को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के हाथों पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर देशभर में संगठन पर्व का शुभारंभ किया है। मप्र में 3 सितंबर को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मप्र मंत्रिमंडल के सदस्यों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराकर प्रदेश में संगठन पर्व का शुभारंभ किया है। इस संगठन पर्व का मुख्य उद्देश्य, देश में 10 करोड़ से अधिक लोगों को भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनाना है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा घर-घर पहुंचकर सदस्यता अभियान को साकार करेगी। श्री खंडेलवाल ने कहा की वर्ष 2014 से 2019 तक रिकार्ड संख्या में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है और भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला ने कहा की भारतीय जनता पार्टी इस सदस्यता प्रक्रिया को संगठन पर्व कहती है, शुभारंभ के दिन ही जिले में लगभग 60 हजार प्राथमिक सदस्य बनाए गए है। मिस्ड कॉल के आलावा क्यू आर कोड, नमो एप के माध्यम से, भाज पार्टी की वेबसाइट के माध्यम से भी सदस्यता ग्रहण कर सकता है। पत्रकारो को संबोधित करते हुए विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि यह भाजपा की लोकतांत्रिक प्रक्रिया ही है जो पार्टी को अन्य राजनीतिक दलों से अलग खड़ा करती है। उन्होंने कहा की 1984 में जब भाजपा केवल 2 सीटें जीतकर आई थी, तब पार्टी का उपहास किया जाता था, लेकिन विचारधारा, कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, संघर्ष और सदस्यता अभियान के कारण भाजपा आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सत्ता में आई है। हमारे कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना से लोगो को जोडने का काम पूरे उत्साह के साथ कर रहे है। 18 से 25 साल का नौजवान है। उसे हमने इस विचार से जोड़ना है, नेशन फर्स्ट के लिए जीने के लिए जोड़ना है।

पुलिस ने खदानों में चोरी करने वाले को किया गिरफ्तार

बैतूल। खदानों मे रात्रि के समय अज्ञात चोरो द्वारा केवल (तार) चोरी कर ले जाने वाले चोरों की तलाश पतारसी की गई जिसके अंतर्गत पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के अनुसार 8 जुलाई की रात्रि मे करीबन 12- 30 बजे ताव-01 खदान से अज्ञात चोरो व्दारा केवल(तार) चोरी कर ले जाने पर थाना सारणी मे अपराध क्रमांक 343.24 धारा 331(4),305(ई) बीएनएस का कायम कर विवेचना मे लिया जाकर आरोपियों की तलाश पतारसी के सिलसिले में 6 सितम्बर पाथाखेड़ा पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना दी गई की उक्त मामले में शामिल शातिर चोर ड्रिलिंग कैंप के बंद खण्डहर में एक व्यक्ति खदान में चोरी का माल बेचने के फिराक में खडा हुआ है, मुखबिर की सूचना पर पुलिस द्वारा तत्काल टीम गठित कर ड्रीलिंग कैम्प के पास पहुँची जहाँ से आरोपी राम उर्फ भूरा पिता मंगल उज्जैन और उम्र 32 साल नि. जगजीवन नगर, पाथाखेड़ा, सारणी को धर दबोचा कर आरोपी की निशानदेही पर चोरी का माल करीब दस हजार रुपये का बरामद कर गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया।

सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल ने किया केबीसी में 50 लाख जीतने वाले बंटी वाड़िवा का सम्मान

* बंटी वाडिवा ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को साझा किए अपने अनुभव *संघर्ष, जीत और सफलता की कहानी से परिचित हुए स्कूल के शिक्षक और विद्यार्थी * बताया - कैसे संघर्ष ने दिलाई 50 लाख की जीत

बैतूल। जिले के छोटे से गांव असाड़ी के रहने वाले बंटी वाडिवा का सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल में शुक्रवार, 6 सितंबर को भव्य स्वागत किया गया। बंटी वाडिवा ने हाल ही में कौन बनेगा करोड़पति में 50 लाख रुपये जीतकर जिले और गांव का नाम रोशन किया। स्कूल में उनका पुष्पमाला एवं साल से सम्मान किया गया। स्कूल डायरेक्टर दीपाली डागा और निलय डागा ने बंटी वाडिवा का विशेष तौर पर सम्मान किया।

बंटी वाडिवा के साथ उनके मित्र का भी सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल में सम्मान किया गया। बंटी के साथ इस सफलता की यात्रा में उनके मित्र का योगदान महत्वपूर्ण रहा, जिसे स्कूल ने सराहा और उन्हें भी पुष्पमाला और साल देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर बंटी वाडिवा ने छात्रों और शिक्षकों से अपने केबीसी अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे वह अपने छोटे से गांव से निकलकर कौन बनेगा करोड़पति की हॉट सीट तक पहुंचे। बंटी वाडिवा ने बताया कि इस जीत ने उनके जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जीवन संघर्ष से भरा था, लेकिन अब गांव में खुशी का माहौल है। उन्होंने यह भी कहा कि सफलता कोई भी कम समय से पहले नहीं मिलती, इसके लिए मेहनत और संघर्ष जरूरी है।

शिक्षक और विद्यार्थियों के सवालों के दिए जवाब-शिक्षकों और विद्यार्थियों ने बंटी से कई सवाल पूछे, जिनका उन्होंने विस्तार से जवाब दिया। एक सवाल के जवाब में बंटी ने बताया कि पहले वह 25 से 30 हजार रुपये जीतने की उम्मीद लेकर गए थे, लेकिन वहां जाकर समझ में आया कि असली

ज्ञान क्या होता है। एक करोड़ रुपये तक के सवाल तक पहुंचना उनके लिए बहुत बड़ी उपलब्धि थी।

जब उनसे पूछा गया कि 50 लाख रुपये जीतने के बाद उनकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी, तो बंटी ने कहा कि यह उनके लिए सपने के सच होने जैसा था। केबीसी की तैयारी के बारे में उन्होंने बताया कि वह नियमित रूप से अध्ययन करते थे और हर दिन नए सवालों के जवाब खोजने का प्रयास करते थे।

गांव में इस जीत की खबर फैलते ही पूरे गांव में उत्साह की लहर दौड़ गई। बंटी ने बताया कि उनके परिवार की प्रतिक्रिया भी बहुत खुशी से भरी थी। उन्होंने कहा कि वह इस बड़ी रकम का इस्तेमाल अपने एमपीपीएससी की कोचिंग के लिए करेंगे और अपने पेरेंट्स के लिए पक्की छत वाला मकान बनवाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस पैसे से न तो कार खरीदेंगे और न ही आईफोन।

बंटी से जब पूछा गया कि क्या उन्होंने पहले कभी सोचा था कि वह इतनी बड़ी रकम जीतेंगे, तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह इतने पैसे जीतेंगे, लेकिन उन्हें हमेशा अपनी मेहनत पर विश्वास था। उन्होंने बताया कि केबीसी में भाग लेने का निर्णय उन्होंने अपने जीवन में कुछ बड़ा करने की इच्छा से लिया था।

मेहनत और संघर्ष ही सफलता की कुंजी-इस अनुभव से उन्होंने सीखा कि मेहनत और संघर्ष ही सफलता की कुंजी हैं। बंटी ने बताया कि सबसे कठिन सवाल उनके लिए वही था जो 50 लाख रुपये के लिए था, लेकिन उन्होंने इसे समझदारी से हल किया। आगे की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर बंटी ने बताया कि वह अब अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे और एमपीपीएससी की तैयारी करेंगे।

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन से मिलने के अनुभव के बारे में उन्होंने कहा कि यह उनके लिए जीवन का सबसे यादगार क्षण था। उन्होंने कहा कि वह अब भी अपने पुराने दोस्तों और जीवनशैली के साथ जुड़े रहेंगे और इस जीत के बाद भी अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। अंत में, बंटी ने कहा कि उनकी इस जीत से जिले और ग्रामीण इलाकों के बच्चों को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार और दोस्तों को दिया, जिन्होंने हमेशा उनका साथ दिया और उन्हें प्रोत्साहित किया।

शिक्षक मदन मोहन शुक्ला का माना आभार-स्कूल के मंच से बंटी वाडिवा ने अपने शिक्षक मदन मोहन शुक्ला का विशेष आभार व्यक्त किया। बंटी ने बताया कि उनके शिक्षक मदन मोहन शुक्ला ने उन्हें हमेशा प्रोत्साहित किया और उनकी पढ़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बंटी ने कहा कि शुक्ला जी के मार्गदर्शन के बिना इस सफलता को प्राप्त करना संभव नहीं था, और आज वह इस मुकाम पर उन्हीं के आशीर्वाद से पहुंचे हैं।

दो घंटे शनि देव के चरणों में बैठा रहा कौवा, माना जाता है सवारी

बैतूल। क्या आप यकीन कर सकते हैं कि कोई कौवा लोगों की लगातार आवाजाही और मौजूदगी के बावजूद किसी एक ही स्थान पर बैठा रहा सकता है? इस पर शायद ही कोई यकीन करें, लेकिन यह नजारा मध्यप्रदेश के बैतूल में गुरुवार को लोगों ने साक्षात देखा। एक कौवा पूरे दो घंटे तक एक ही जगह पर बैठा रहा। यह जगह थी बीएसएनएल कार्यालय के ठीक बगल में स्थित शनि मंदिर। यहां श्रद्धालुओं के आश्चर्य का उस समय ठिकाना नहीं रहा जब एक कौवा शनि भगवान के चबूतरे पर भगवान के चरणों में बैठा नजर आया। लोगों को आश्चर्य इस बात का हुआ कि जब कौवा वहां बैठा था तब श्रद्धालु पूजन पाठ करते रहे। इन सबके बावजूद कौवा अपनी जगह पर आराम से बैठा रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक करीब दो घण्टे तक यह कौवा अपनी जगह पर बैठा रहा। इसके बाद उड़कर कहाँ चला गया, किसी को पता नहीं।

इस बीच होती रही पूजा-पाठ-बताते हैं कि गुरुवार सुबह लगभग 8 से 9 बजे कुछ श्रद्धालु पूजन पाठ के लिए शनि मंदिर पहुंचे तो भगवान के ठीक बगल में चबूतरे पर एक कौवा बैठा हुआ नजर आया। श्रद्धालुओं के अनुसार इस दौरान उन्होंने बड़े आराम से पूजन-पाठ किया, लेकिन कौवा अपनी जगह से जरा भी नहीं हिला।

भीड़ बढ़ने का भी असर नहीं-पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कौवा को शनिदेव की सवारी माना जाता है। यहां का दृश्य देखकर ऐसा लग रहा था कि मानो साक्षात शनिदेव की सवारी मंदिर में हाजिर हो चुकी हो। कुछ ही देर में यह खबर आग की तरह फैल गई और श्रद्धालुओं का आना-जाना शुरू हो गया। भीड़ बढ़ने का भी उस पर कोई असर नहीं हुआ, वह बैठा ही रहा।

पूजन करवाने मौजूद हुई सवारी-इस दृश्य को देखकर हर कोई आश्चर्य कर रहा था। कुछ श्रद्धालुओं ने भगवान शनिदेव के साथ-साथ उनकी सवारी का भी पूजन किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने यह भी महसूस किया कि वास्तव में शनिदेव की सवारी भगवान के साथ-साथ खुद अपना पूजन करवाने के लिए साक्षात मंदिर में उपस्थित हुई हो।

सभी का श्रद्धा से भर उठा मन-बताया जा रहा है कि करीब दो घण्टे तक कौवा शनि भगवान के चरणों मे बैठा रहा और मंदिर में भीड़ कम होने के बाद चला गया। जिसने भी यह दृश्य अपनी आंखों से देखा उसका मन श्रद्धा से भर गया। इस पूरे घटनाक्रम की पूरे शहर में खासी चर्चा है।

सांसद प्रतिनिधि के आवास पर 15 लाख की चोरी,केन्द्रीय राज्य मंत्री के घर से चंद कदम दूर वारदात

बैतूल। शहर में चोर अब आउट ऑफ कंट्रोल होते जा रहे हैं। सांसद प्रतिनिधि के यहां चोरों ने सेंध लगाकर लाखों रुपए के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया है। यह चोरी की घटना केन्द्रीय राज्यमंत्री और सांसद दुर्गादास उइके के खंजनपुर आवास से चंद कदम की दूरी पर हुई है। चोरी घटना की जानकारी मिलने पर बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने चोरी की घटना के बारे में जानकारी लीं। शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं से लोग दहशत में आ गए है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक बुधवार की शाम को खंजनपुर स्थित सांसद प्रतिनिधि हरपाल सिंह राजपूत के सुने आवास पर चोरों ने धावा बोलकर बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि अज्ञात चोरों ने घर के सामने की बाउंड्रीवाल फांदकर अंदर प्रवेश किया और घर के मुख्य गेट का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने के जेवरात और नगदी रूपए चोरी करके ले गए। जब सांसद प्रतिनिधि लगभग रात 10 बजे घर पहुंचे तो घर का ताला टूटा और सामान बिखरा मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। हरपाल ङ्क्षसह राजपूत के घर से अज्ञात चोरों ने 2-3 मंगलसूत्र, सोने की अंगूठियां, कान के झुमके, सोने के कंगन, सोने की बिछिया सहित अन्य सोने के आभूषण लेकर चले गए। चोरी हुए आभूषणों की कीमत

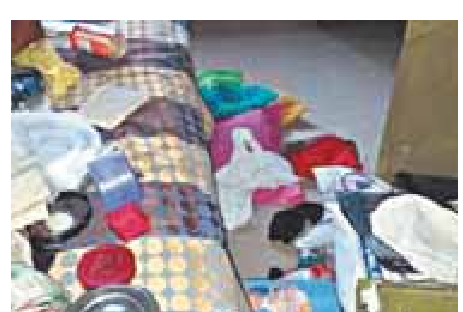

लगभग 15-16 लाख रुपए बताई जा रही है। नगद 3.50 लाख रुपए चोरी कर लिए है। चोरी की घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरु कर दी हैं।

बेखौफ हो गए चोर, पुलिस की ठोस कार्रवाई नहीं-शहर में चोर बेखौफ हो गए है। इन चोरों को पकड़ना अब पुलिस के लिए भी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। केन्द्रीय राज्यमंत्री डीडी उइके के आवास से चंद कदम दूर सुने आवास में चोरी की वारदात होने से अंदाजा लगाया जा सकता हैं कि चोरी के हौंसले कितने बुलंद हैं। चोरी की घटना शाम लगभग 6 बजे से 10 बजे के बीच की है। इस समय लोगों की आवाजाही बनी रहती है। इसके बावजूद भी चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। इस चोरी की वारदात के बाद पूरे मोहल्ले में लोगों में दहशत बनी हुई हैं। चोरी की घटना में लगभग 3-4 चोरों के शामिल होने की संभावना बनी हुई है। बताया जा रहा है कि जिस समय चोरी की घटनाएं हुई है, उस समय घर पर कोई मौजूद नहीं था। वह उनकी पत्नी के साथ किराना दुकान गए थे। जब वे रात 10 बजे घर वापस लौटे तो चोरी की घटना का पता चला।

गंज क्षेत्र की दुकान में फिर चोरी, टीन शेड खोलकर घुसे

बैतूल। नगर के अति व्यस्ततम क्षेत्र बैतूल गंज एवं गंज बस स्टैंड के सामने स्थित नवशक्ति किसान सेवा केन्द्र बैतूल गंज में गुरुवार-शुक्रवार की मध्य रात्रि लगभग 1.30 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने धावा बोला। वे टीन शेड खोलकर दुकान के अंदर घुसे और दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों के मुँह को उल्टा कर दिया ताकि चेहरा कैमरे में कैद होने से बच सके।

चीवजव व उत्तम मालवीय गंज क्षेत्र की दुकान में फिर चोरी, टीन शेड खोलकर घुसे- नगर के अति व्यस्ततम क्षेत्र बैतूल गंज एवं गंज बस स्टैण्ड के सामने स्थित

नवशक्ति किसान सेवा केन्द्र बैतूल गंज में गुरुवार-शुक्रवार की मध्य रात्रि लगभग 1.30 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने धावा बोला। वे टीन शेड खोलकर दुकान के अंदर घुसे और दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों के मुँह को उल्टा कर दिया ताकि चेहरा कैमरे में कैद होने से बच सके। नवशक्ति किसान सेवा केन्द्र बैतूल गंज के संचालक नवीन साहू ने बताया कि एक चोर स्पष्ट रूप से एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। उसका चेहरा साफ-साफ दिखाई दे रहा है। गुरुवार-शुक्रवार की मध्य रात्रि में उनके प्रतिष्ठान में चोरी की वारदात हुई है। इस चोरी का खुलासा तब हुआ जब संचालक के पिता ललित कुमार साहू ने आज प्रतिष्ठान खोला। पूजा-पाठ करने के उपरांत जैसे ही कैश काउंटर खोला, वैसे ही उन्हें कैश काउंटर खाली मिला। तब उन्हें चोरी का भान हुआ। इसके बाद इन्होंने दुकान के ऊपर लगे टीन शेड देखे।

कभी भी चेकिंग कर सकता है बिजली कंपनी का अमला जाते समय टीन शेड भी फीट कर गए-दुकान के ऊपर लगे टीन शेड देखने पर पता चला कि चोरों ने टीन शेड के स्क्रू खोलकर घटना को अंजाम दिया। यही नहीं जाते समय कुछ स्करू लगा गए और कुछ वैसे ही रहने दिए हैं। तेजी से बढ़ रही यह बीमारी हो सकती, भविष्य के लिए हो सकती है खतरनाक नोटों के बंडल ले गए, सिक्के छोड़ दिए साहू ने बताया कि कैश काउंटर में लगभग 10 से 15 हजार रूपये रखे हुए थे। वो पूरे चोर चोरी कर ले गए हैं। कैश काउंटर के बाहर रखे हुए 1-1 एवं 2-2 के सिक्के से भरे डिब्बे वहीं छोड़ गए। चोर 10, 50, 100 के नोटों के बंडल ले गए। बाइक चोर गिरोह गिरफ्तार, 11 मोटर साइकिल और एक के पार्ट्स जब्त इससे पहले भी हो चुकी है चोरी नवशक्ति किसान सेवा केन्द्र के संचालक नवीन साहू ने बताया कि पिछली चोरी 19 अगस्त 2022 को हुई थी। जिसके सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंपे थे। इसके बावजूद आज तक उक्त मामले में किसी आरोपी को नहीं पकड़ा जा सका है।

डॉ. मुकेश गर्ग- संगीत जिनकी आत्मा में बसता था

स्मृति शेष

राजेन्द्र शर्मा

(लेखक उप्र में राज्य कर अधिकारी हैं)

साल 2024 का अगस्त महीना शास्त्रीय संगीत के लिए एक के बाद एक बुरी खबर लेकर आया। कजरी गायिका पद्मश्री अजिता श्रीवास्तव 17 अगस्त 2024 को और उसके तीन दिन बाद सितार वादक मंजू नंदन मेहता इस दुनिया से रुखसत हुई। इन दोनों की विदाई से अभी संगीत प्रेमी उबर भी नही पाये थे कि शास्त्रीय संगीत हेतु प्रतिबद्ध संस्था 'संगीत संकल्प' के संस्थापक, हिंदी के प्रोफेसर और विशेषकर रीति काल के विशेषज्ञ और संगीत को आत्मा में बसाने वाले मुकेश गर्ग 28 अगस्त की दोपहर में इसे फानी दुनिया से अलविदा कह गये।

डॉ. मुकेश गर्ग का जन्म 8 अक्टूबर 1950 को हाथरस (उत्तर प्रदेश) में हुआ। वे प्रसिद्ध हास्य कवि काका हाथरसी के भतीजे थे। उनकी छोटी बहन बागेश्री की शादी प्रसिद्ध कवि अशोक चक्रधर से हुई है। उन्होंने एम.ए., एम.लिट., और पीएच.डी. की डिग्री हिन्दी में प्राप्त की, साथ ही एम.ए. (संगीत/वायलिन) में भी शिक्षा ग्रहण की। हिन्दी साहित्य के रीतिकाल पर उनके आधुनिक दृष्टिकोण से चिन्तन ने उन्हें विशेष पहचान दिलाई। भारतीय संगीत में समाज-सापेक्ष विश्लेषण के प्रवर्तक माने जाने वाले मुकेश गर्ग ने अनेक विश्वविद्यालयों के हिन्दी और संगीत विभागों में व्याख्यान दिए।

उनके शोध-लेख प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए और वे दिनमान, नवभारत टाइम्स, हिन्दुस्तान, जनसत्ता, दैनिक भास्कर आदि राष्ट्रीय समाचार-पत्रों में नियमित लेखन करते रहे। 1980 से दूरदर्शन और आकाशवाणी पर उनके साक्षात्कार, वार्ताएँ, और फीचर आदि का निरन्तर प्रसारण हुआ। सत्तर के दशक से ही आकाशवाणी और दूरदर्शन से डॉ. मुकेश गर्ग का गहरा रिश्ता रहा। कई वर्षों तक म्यूज़िक ऑडिशन बोर्ड का सदस्य रहे। असंख्य वार्ताएँ, रूपक और साक्षात्कार उन्होनें किये। रेडियो के नेशनल चैनल पर नब्बे के दशक के शुरू में 'शास्त्रीय संगीत अंत्याक्षरी' की शुरुआत डॉ. मुकेश गर्ग ने ही की। पं. अमरनाथ, सुमति मुटाटकर, शराफ़त हुसैन ख़ाँ, हफ़ीज़ अहमद ख़ाँ, बी.सी देव, माधुरी मट्ठू, देबू चौधुरी, शोभा गुर्टू, अब्दुल हलीम जाफ़र ख़ाँ, रघुनाथ सेठ, प्रकाश वढेरा, उमाशंकर मिश्र, अभय नारायण मलिक, वीणापाणि मिश्र, एल.के. पंडित, शन्नो खुराना, मणिप्रसाद, इन्द्रलाल धाँधड़ा, ऋषिकुमार शास्त्री, हरिचरण वर्मा, शान्ति हीरानंद, मधुप मुद्गल से लेकर अमजद अली ख़ाँ तक न जाने कितने विद्वानों और संगीतज्ञों से डॉ. मुकेश गर्ग ने इंटरव्यू किये ,जो कभी आकाशवाणी तो कभी दूरदर्शन पर प्रसारित हुए।

हिन्दी की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित मासिक पत्रिका 'संगीत' का 1974 से 2011 तक अनवरत सम्पादन उन्होंने किया। वे आकाशवाणी के म्यूज़िक ऑडिशन बोर्ड (एम.ए.बी.) के अनेक वर्षों तक सदस्य रहे, और कालिदास सम्मान, तानसेन सम्मान, और कुमार गन्धर्व सम्मान के निर्णायक मंडलों की वर्षों तक सदस्यता निभाई। डॉ. गर्ग ने 30 से अधिक पीएच.डी. शोध छात्रों का निर्देशन किया । उन्होंने फीचर फिल्म, टीवी फिल्म, और कई दूरदर्शन धारावाहिकों में संगीत निर्देशन किया, और 'समयसार', 'द्रव्य-संग्रह', 'छहढाला' आदि प्राचीन जैन ग्रन्थों का संगीत निर्देशन भी किया। भारत सरकार द्वारा आई.सी.सी.आर. के माध्यम से हिन्दी चेयर की स्थापना के लिए उन्हें 2010 से 2012 तक अज़रबैजान भेजा गया, जहाँ उन्होंने अजरबैजान विश्वविधालय में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष के रूप में शिक्षण कार्य किया। डॉ. मुकेश गर्ग ने 1972 से 2015 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में हिन्दी का अनवरत शिक्षण किया और 2015 में 'ब्रजभाषा साहित्य विशेषज्ञ' के रूप में एसोसिएट प्रोफेसर के पद से सेवा-निवृत्त हुए।

उन्होंने 1989 में 'संगीत संकल्प' नामक अर्न्राष्ट्रीय संस्था की स्थापना की और इसके महानिदेशक के रूप में कार्य किया। वर्ष 1988 में शास्त्रीय संगीत के कलाकारों को प्रोत्साहन देने के उददेश्य से डॉ. मुकेश गर्ग ने स्वयं अपनी पहल पर 'संगीत संकल्प' नामक संगठन की नींव रखी जिसे सरकार या किसी उद्योगपति ने पोषित नही किया गया । डॉ. मुकेश गर्ग द्वारा 'संगीत संकल्प' के नाम से 1988 में रोपे गये इस पौधे की देश भर में और देश बाहर शाखायें है ,जो अपने स्तर से शास्त्रीय संगीत के कार्यक्रमों को आयोजन नये कलाकारों को प्रोत्साहित करती रही। संगीत संकल्प शास्त्रीय संगीत के उन गंभीर साधकों के लिए मंच तैयार करता रहा जो तिकड़मों से सफलता हासिल नहीं करना चाहते। जिनकी ज़िन्दगी संगीत-साधना में लग चुकी है या लग रही है... फिर वे 8 साल के हों या 80 साल के।

डॉ. मुकेश गर्ग के योगदान के लिए उन्हें राष्ट्रीय स्तर के अनेक सम्मानों से अलंकृत किया गया। डॉ. मुकेश गर्ग का शिक्षण के प्रति समर्पण की इससे बेहतर उदाहरण ओर क्या हो सकता है कि साल 2012 में सेवानिवृत्ति के उपरांत भी वह वर्ष 2019 तक बिना कोई आर्थिक लाभ प्राप्त किये छात्रों को हिन्दी साहित्य के रीतिकाल पढाते रहे। जानकार बताते है कि वर्तमान समय में ब्रजभाषा काव्य का उन सा अधिकारिक विद्वान दूर दूर तक नही था ।

मुकेश गर्ग जी का जाना भारतीय संगीत के लिए वास्तव में ऐसी क्षति है जिसकी कभी भी पूर्ति नहीं की जा सकती। संगीत को समर्पित ऐसे व्यक्तित्व अब न होंगे।

शहर की खस्ताहाल सड़क के लिए एई-सब इंजीनियरों को नोटिस

बैतूल। शहर में कायाकल्प मार्गों के अल्पकाल में ही दम तोड़ने के बाद अब इन मार्गों की मरम्मत का काम खुद ठेकेदार को ही करवाना

पड़ेगा। विधायक हेमन्त खण्डेलवाल की नाराजगी के बाद मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओमपाल सिंह भदोरिया ने इस मामले में नपा के एई, सहित तत्कालीन इंजीनियर और ठेकेदार को नोटिस जारी किया था। बताया जा रहा है कि नपा के दोनों अधिकारियों ने नोटिस का जवाब देकर यह बताया है कि कायाकल्प मार्ग के दोनों तरफ ड्रेनेज सिस्टम नहीं होने के चलते यह सड़क अल्प समय मे ही अपनी जगह से उखड़ गई और सड़क में गड्ढे हो गए।सवाल यह खड़ा हो रहा है कि नगर पालिका के दोनों इंजीनियरों को यह बात उस समय समझ मे क्यों नहीं आई जब कायाकल्प योजना के तहत लगभग 3 करोड़ रुपए की लागत से इन सड़कों का निर्माण कार्य शुरू किया गया था। अब जब करोड़ों का सत्यानाश हो चुका है तो यह बेतुका तथ्य उजागर कर अपनी साख बचाने की कोशिश आखिर क्योंकि जा रही है। जो भी है, लेकिन अधिकारियों की अनदेखी के चलते करोड़ो रुपए पानी मे बहा दिए गए और अब सारा ठीकरा ठेकेदार के ऊपर फोड़ दिया गया है।

सीएमओ ने दिए सड़क मरम्मत के निर्देश

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओमपाल सिंह भदोरिया के मुताबिक कायाकल्प सड़कों की मरम्मत करने के लिए ठेकेदार को निर्देश दे दिए गए हैं। ठेकेदार को इसके लिए अगले एक माह की मोहलत दी गयी है। मरम्मत के दौरान बारिश का विशेष ध्यान रखे जाने के निर्देश दिए गए हैं। बारिश होने की दशा में किसी भी तरह मरम्मत ना की जाए, इसकी चेतावनी भी दी गई हैं। बैठक के दौरान विधायक हेमन्त खण्डेलवाल ने सड़क पर डामर गिट्टी की लेयर डाले जाने के निर्देश दिए थे। इसको लेकर मुख्य नगर पालिकाधिकारी ने बताया कि , फिलहाल ठेकेदार को मरम्मत किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। मापदंडों के मुताबिक ही सड़क की मरम्मत कराई जाएगी।

पुलिस ने अवैध महुआ शराब बेचने वाले को किया गिरफ्तार, न्यायालय में पेश

बैतूल। थाना मुलताई के अंतर्गत 5 सितम्बर को पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति, जो काले रंग की मोटर साइकिल पर

सवार है, गुलाबी रंग की हाफ बाजू की शर्ट, गले पर सफेद गमछा और खाकी रंग की फुल पैंट पहने हुए है, अपनी मोटर साइकिल पर रबर के ट्यूब में महुआ की कच्ची शराब भरकर उसे दो बैगों में रखकर बेचने के लिए ग्राम तिवरखेड की ओर जा रहा है। प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना मुलताई पुलिस के हमराह आरक्षक 457 सलमान, सैनिक 75 दिनेश रघुवंशी को लेकर प्राइवेट वाहन से मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान तिवरखेड रोड, आरटीओ तिराहे के पास पहुँचे। वहां एक मोटर साइकिल गोनापुर गांव की ओर से तिवरखेड की तरफ जाती दिखी, जिसे रोका गया। मोटर साइकिल चालक ने अपना नाम महादेव पिता इमरत उइके, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम तिवरखेड बताया। उसकी मोटर साइकिल के पीछे की सीट पर दो बैग रस्सी से बंधे हुए थे, जिनमें से एक नीले रंग का और दूसरा कत्थई रंग का था। बैगों की तलाशी लेने पर, नीले रंग के बैग में पीले रंग की बोरी के अंदर एक रबर का ट्यूब मिला, जबकि कत्थई रंग के बैग में जूट बोरे के अंदर दूसरा रबर का ट्यूब मिला। दोनों ट्यूबों में से हाथ भट्टी की कच्ची महुआ शराब की गंध आ रही थी। जब आरोपी से शराब रखने या बेचने का लाइसेंस मांगा गया, तो उसने लाइसेंस न होने की बात स्वीकार की। दोनों ट्यूबों में लगभग 60 लीटर महुआ शराब पाई गई, जिसकी अनुमानित कीमत 6000 रुपये है। इसके साथ ही घटना में प्रयुक्त काले रंग की मोटर साइकिल भी जब्त की गई, जिसका चेचिस और इंजन नंबर स्पष्ट नहीं दिख रहा था। मोटर साइकिल की अनुमानित कीमत 30,000 रुपये है। मौके पर ही 23 बजे शराब और मोटर साइकिल को साक्षियों की उपस्थिति में जप्त कर जप्ती पत्रक तैयार किया गया। आरोपी महादेव का कृत्य मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध पाया गया। उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्यवाही में थाना मुलताई के प्रभारी निरीक्षक राजेश सातनकर, सउनि श्रीराम मांडवी, प्र.आर. 181 सुशील कुमार धुर्वे, आरक्षक सलमान (457), सैनिक दिनेश रघुवंशी (75) और अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर में प्रांत स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता

मनीष बाजपेई बोले खेलों में अनुशासन जरूरी

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में प्रांत स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता समारोह मध्य भारत प्रांत प्रमुख मनीष बाजपेई, विभाग समन्वयक रामकुमार व्यास एवं नेताजी सुभाष बोस शिक्षा समिति अध्यक्ष कन्नूलाल अग्रवाल के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रांत खेल प्रमुख मनीष वाजपेई ने कार्यक्रम को संबोधित करते कहा कि विद्याभारती ने खेलों के माध्यम से भैया बहनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । खेलों में अनुशासन होना अतिआवश्यक है। खेलों में हार जीत मायने नहीं रखती है।इसलिए हमें खेल भावना को बनाकर रखना है ।आपने अंत में आव्हान किया कि हमें सुन्दर खेल का प्रदर्शन करके अपने विभाग का नाम रौशन करना है । इस अवसर पर नेताजी सुभाष बोस शिक्षा समिति उपाध्यक्ष अभिषेक जैन, सचिव राजा भैया पटैल, व्यवस्थापक कृष्णा पालीवाल, कोषाध्यक्ष संजीव दुबे, सदस्य अमित

बिल्लौरे, रीतेश सिंह राजपूत, अभिषेक चौहान, बसंत पटैल, प्राचार्य अशोक कुमार दुबे आदि उपस्थित थे।

खेल ध्वजारोहण -इसी अवसर पर विघा भारती प्रांत प्रमुख डॉ रामजी भावसार, विचार भारती प्रांत सह संगठन मंत्री अनिल जी अग्रवाल, प्रांत खेल प्रमुख मनीष बाजपेई आदि अतिथियों ने खेल ध्वजारोहण किया। विभाग समन्वयक रामकुमार व्यास खेल उद्घाटन की घोषणा की । इसके उपरांत गत वर्ष अखिल भारतीय स्तर पर सहभागिता निभाने वाले भैया ग्वालियर विभाग के विक्की कनौजे ने प्रतिभागियों को शपथ दिलाई गई। खेलकूद समारोह का संचालन प्रतियोगिता प्रबंधक जीवन दुबे ने किया गया।

निर्णायक -खो खो खेल प्रतियोगिता में निर्णायक अधिकारी देवेन्द्र उरहा बनखेडी, प्रीतम जी पुरबिया पिपरिया,श्रीमती चंदा मिश्रा सोहागपुर, नीरज जी बाथरे संभागीय खेल आयोजन प्रभारी गोविंदनगर

प्रदेश स्तरीय उपस्थिति - इस प्रांतीय खो खो प्रतियोगिता में प्रदेश की विभिन्न सरस्वती शिशु मंदिर शालाओं के करीबन 252 खिलाड़ियों के अलावा करीबन 50 संरक्षक एवं आचार्य सहभागिता निभाई रहे हैं। वहीं स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर के आचार्य एवं दीदियां भी कार्यक्रम में अपना योगदान दे रहे हैं। इसके पूर्व समिति पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। प्राचार्य अशोक कुमार दुबे ने आभार व्यक्त किया।

आज के मैच - बाल वर्ग भैया के दो मेच ग्वालियर एवं भोपाल, नर्मदापुरम? एवं राजगढ़,बहिनों के एक मेच नर्मदापुरम एवं राजगढ़ ,किशोर वर्ग भैया के तीन मेच खेलें गऐ है ।यह लीग मेच खेलें गये है ।किशोर वर्ग शिवपुरी एवं राजगढ़ ,भोपाल एवं नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं शिवपुरी टीमों की प्रतियोगिता हुई हैं। इस समाचार लिखे जाने तक प्रतियोगिता निर्बाध रूप से चल रही थी।जीवन जी दुबे ने बताया कि रात्रि 10बजे तक प्रतियोगिता चलती रहेगी। वहीं शनिवार की रात तक प्रतियोगिता संपन्न होगी।

सोशल मीडिया पर पार्टी पदाधिकारी का छलका आम शहरी होने का दर्द..

नर्मदापुरम। सोशल मीडिया पर नगर व्यवस्था को लेकर चली गत रात भाजपा सोशल मीडिया जिला प्रभारी, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष और एक दो पार्टी से जुड़े लोगों की चिंता वाकई नगर हित में गंभीर समझ आती है पर संदेह भी होता है कहीं यह चिंता थोथा चना बाजे घना चरितार्थ न हो..? जिला प्रभारी को पार्टी ने जिस सोशल मीडिया पर कंट्रोल करने का दायित्व सौंपा है वही रात बारह बजे... और पार्टी के जिला कोषाध्यक्ष को सार्वजनिक तौर पर लिखने को मजबूर होना पड़ा कुछ भी हो पहले आम शहरी है जरुर कुछ संकेत देता है मामला गंभीर है। नगर को लेकर चिंता की जानी चाहिए लेकिन इतनी देर.. पार्टी फोरम पर यह बात उठाई जा सकती थी उसे सार्वजनिक करने का तात्पर्य लोगों को भले समझ नहीं आए पर जानकार जान रहें। दूसरों को ज्ञान देने वाले पार्टी के जिम्मेदार सार्वजनिक तौर पर सरकारी अधिकारियों के खिलाफ नहीं लिखते उसमें वर्तमान कलेक्टर को भी घसीट लाए आखिर क्यों..? पत्र लिखना अच्छी बात है वह भी नगर हित में और अच्छी बात है पर अगर कहीं स्वार्थ वार्थ का चक्कर हो तो वह ठीक नही। नगर हित की बात को लेकर लंबे समय से राजनीति कर रहे पियूष शर्मा के उस पत्र पर डिस्कस करना चाहिए जो उन्होंने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को सीमेंट बेंच का भुगतान करने से पहले भौतिक सत्यापन का जिक्र किया। बात उठानी चाहिए कि मुख्य नगरपालिका अधिकारी शहर से सात किलोमीटर दूर पेट्रोल पंप से ईंधन लेकर उपकृत करने के चक्कर में जनता का पैसा अनावश्यक पानी में क्यों बहा रही। यहां आम शहरी होने का दर्द क्यों नहीं झलकता। पत्र लिखते सोशल मीडिया पर सार्वजनिक बहस बजरिया स्कूल को तोड़े जाने के मामले को लेकर करते, नगरपालिका की जमीन पर कब्जा करने के मामले में जिक्र करते, पूर्व पार्षद द्वारा आवारा जानवर पकड़ने वाले दल प्रभारी को पीटने का मामला उठाते, लेडिया बाजार में बनाए जाने वाले स्टेडियम को लेकर मतमत जानने की कोशिश करते, मीनाक्षी चौक पर रायल केमिस्ट की नाले पर बनी दुकान कैसे नहीं हट पा रही उसे लेकर आम आदमी होने का दर्द छलकाते तो मालूम होता कि वास्तव में पार्टी के पदाधिकारी के ह्रदय में आम आदमी होने का दिल धड़कता है। ये क्या रात बारह बजे सोशल मीडिया पर आम आदमी होने का रुक्खा क्या किसी के कहने पर या अपने किसी को बचाने के लिए मुख्य नगरपालिका अधिकारी पर पहले आम शहरी होने का कहकर निशाना तो साधा नहीं गया ना।

बड़े सपने देखना और उन्हें पूरा करना मुश्किल नही , जरूरत है पूरी लगन से उनका पीछा करने की

एक्ट ईव फाउंडेशन के शिक्षक सम्मान में कहा अतिथियों ने

देवास। हर व्यक्ति छोटे बड़े सपने देखता है और चाहता है कि वो कुछ अच्छा मुकाम हासिल करे। जिंदगी में सब कुछ सम्भव है। बड़े सपने देखना और उन्हें पूरा करना मुश्किल नहीँ, जरूरत है पूरी लगन से उनका पीछा करने की। शिक्षक बच्चों को मोटिवेट करते रहें ताकि वे न सिर्फ अपने सपने पूरे कर सकें बल्कि एक आदर्श नागरिक भी बन सकें। यह बात शिक्षक दिवस पर आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में अतिथियों ने कही। शिक्षक सम्मान का यह गरिमामयी आयोजन एक्ट-ईव फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में अतिथि रूप में जिला शिक्षाधिकारी श्री हरिसिंह भारतीय,डीपीसी श्री प्रदीप जैन,बीईओ श्री अजय सोलंकी,बीआरसी श्री किशोर वर्मा,सुश्री सीमा सोनी तथा श्रीमती गुलाब वर्मा उपस्थित थे।

एक्ट-ईव फाउंडेशन अध्यक्ष मोहन वर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा विगत तीन वर्षों ये समारोहआयोजित किया जाता रहा है। इस वर्ष यह सम्मान 17 उत्कृष्ठ कार्य करने वाले चयनित शिक्षकों को दिया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षक थे- सुश्री परवीन शेख/ मा वि क्रमांक 4 सिंधी स्कूल,श्रीमती सीमा पांडे /उ मा कन्या वि चिमना बाई, श्री धीरेन्द्र वर्मा /प्रा वि बोडानी,श्रीमती नसरीन नूर शेख/उ मा कन्या वि राधाबाई,श्री राजेशस्वर्णकार मा वि बरोठा,श्री धनसिंह मानावत/प्रा वि गोपालपुरा, श्री अशोक वर्मा/प्रा वि बारोली,श्रीहितेश दुबे/प्रा वि मांगरोला,श्रीमती नयना गोस्वामी/मा वि बैरागढ,श्री आदिल पठान/ना वि म, श्री प्रसून पंड्या/उ मा कन्या वि चिमना बाई,श्री अनिल सोलंकी/मा वि सिंगावदा, श्रीमती राजश्री काले /उ मा कन्या वि राधाबाई सुश्री नीता शर्मा/उ मा कन्या वि भौरासा,सुश्री सीमा पवार/मा वि बोड़ाना,सुश्री सीमा सोनी/के पी कोलेज तथा श्री महेश सोनी/मा वि महाकाल कालोनी । कार्यक्रम का संचालन मुकेश तिवारी ने किया, आभार सचिव किशोर असनानी ने माना। कार्यक्रम मे अतुल शर्मा,रामेश्वर पटेल,सीए एस एम जैन,प्रदीप शर्मा,अमल बेरा,योगेन्द्र सिंह चावडा,वृंदा शर्मा, हंसा चौधरी,शकुंतला मालवीय, सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

विद्युत कटौती शेड्यूल

बैतूल। मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल शहर द्वारा 8 सितंबर को 11 केव्ही गंज फीडर का मेंटेनेंस कार्य किया जाना है। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल शहर जोन-1 के प्रबंधक ने बताया कि मेंटेनेंस कार्य के चलते रविवार को गंज फीडर के आबकारी, सिंधी कॉलोनी, देना बैंक, लोहिया वार्ड, तेल टंकी, लक्की सेंटर, कांति शिवा टॉकीज, सेंट्रल बैंक, एसबीआई बैंक, मैकेनिक चौक, अग्रवाल पेट्रोल पंप, बीजेपी कार्यालय, डॉ.मुले गुरूद्वारा रोड, हाथी नाला, डॉ. लश्करे, बीएसएनएल ऑफिस, पुलिस क्वाटर हाउसिंग बोर्ड गंज, महाराष्ट्र बैंक आदि क्षेत्रों में विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। उन्होंने बताया कि किन्ही अपरिहार्य कारणों से समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

नगरीय निकाय उप निर्वाचन-2024

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सूर्यवंशी ने सेक्टर मजिस्ट्रेट किए नियुक्त

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने उप निर्वाचन-2024 के अनुक्रम में नगर पालिका परिषद बैतूल एवं नगर परिषद आठनेर में सेक्टर मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की है। जारी आदेश के अनुसार प्रभारी तहसीलदार प्रदीप कुमार तिवारी को नगर पालिका परिषद बैतूल तथा नायब तहसीलदार भैंसदेही रामनाथ नागोरिया को नगर परिषद आठनेर में सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।उल्लेखनीय है कि नगर पालिका परिषद बैतूल क वार्ड क्रमांक-6 तथा नगर परिषद आठनेर के वार्ड क्रमांक-10 के लिए 11 सितंबर 2024 को मतदान तथा 13 सितंबर को मतगणना होंगी। मतदान तथा मतगणना के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु नगरीय निकायों के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए है।

कलेक्टर ने किया आदिवासी बालक छात्रावास तेंदूखेड़ा का निरीक्षण

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले शुक्रवार को तेंदूखेड़ा के भ्रमण पर निकली। यहाँ सर्वप्रथम उन्होंने सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास तेंदूखेड़ा में पहुंचकर छात्रावासी विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने उनसे उनकी पढ़ाई- लिखाई एवं छात्रावास में मिलने वाली सुविधाएं तथा भोजन सहित अन्य बुनियादी आवश्यकताओं की जानकारियां प्राप्त की। यहाँ कलेक्टर ने विद्यार्थियो से पूछा कि उन्हें भोजन व नाश्ता अच्छे से एवं पर्याप्त मात्रा में मीनू के अनुसार मिल रहा है या नहीं। साथ ही आज मिले भोजन एवं नाश्ते के बारे में भी पूछा। उन्होंने छात्रावास अधीक्षक को निर्देशित किया कि बच्चों को सुबह- शाम मिलने वाले नाश्ते में एकरूपता नहीं रहे। उन्होंने भोजन एवं भंडार गृह में जाकर भी मुआयना किया।

पटेल वार्ड में बन गए गंदे पानी के तालाब, रहना हुआ दुश्वार,हल खोजने वार्ड में पहुंचे अधिकारी और पार्षद

जल भराव समस्या के हल के प्रयास हुए तेज

बैतूल/मुलताई। पटेल वार्ड में जल भराव की समस्या विकराल रूप धारण करते जा रही है नालियों और वर्षा का जल जमा होने के कारण वार्ड में बड़े-बड़े गंदे पानी के तालाब निर्मित हो गए हैं जिससे यहां निवासरत लोगों का रहना दूभर हो गया है। इस समस्या का स्थाई हल हो सके इसके लिए नगर पालिका के अधिकारी एवं सभापतियों ने वार्ड में पहुंचकर लोगों से जल भराव की समस्या और इसके हल के संबंध में स्थानिय भूमि स्वामियों से चर्चा की। नगर पालिका इस समस्या के हल के लिए पटेल वार्ड में एक बड़ी नाली का निर्माण का एस्टीमेट भी बना रही है। इसको लेकर नगर पालिका के उपयंत्री योगेश अनेराव, सभापति एवं पार्षद अजय यादव, सुमित शिवहरे, सुरेश पौनीकर पटेल वार्ड की लंबे समय से चली आ रही जल भराव की समस्या के निजात के लिए विभिन्न मकान मालिको से चर्चा की इसके बाद पार्षदों एवं अधिकारियों ने तय किया कि गंदे पानी के बने तालाब के पानी की निकासी के लिए नाली का निर्माण हो और दूसरी ओर से अंडरग्राउंड पाइपलाइन डालकर तत्कालीन व्यवस्था के रूप में पानी को खाली कराया जाए और जिन भूमि स्वामियों की भूमि से यह पाइपलाइन डालनी है वह भी नगर पालिका को सहयोग प्रदान करें क्योंकि मूलतः यह समस्या वहीं के निवासियों की ही है।

सभी के सहयोग से ही संभव होगी जल भराव की समस्या

समस्या के हल के लिए वार्ड में पहुंचे

अधिकारी एवं सभापतियों ने बताया कि एसडीएम एवं तहसीलदार को वर्तमान स्थिति से अवगत करा कर उनसे मौका मुआयना कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में अजय यादव ने बताया कि पटेल वार्ड की समस्या समय के साथ गंभीर होती जा रही है जिसका समय रहते हल निकाल जाना आवश्यक है किंतु यह तभी संभव है जब स्थानीय निवासी भी सहयोग करें नगर पालिका इस समस्या का हल निकालने के ईमानदार प्रयास कर रही है । सुमित शिवहरे एवं सुरेश पौनीकर बताते हैं कि वार्ड में बने गंदे पानी के तालाब का गंदा पानी तत्काल निकाला जाना आवश्यक है इसके लिए सभी से चर्चा की जा रही है वरिष्ठ अधिकारियों को भी इस स्थिति से अवगत करा दिया गया है शीघ्र ही पटेल वार्ड वार्ड के जल भराव की समस्या का हाल निकाला जाएगा।

बनते गए भवन और समाप्त होते गए परंपरागत नाले-पूर्व में यह क्षेत्र ताप्ती एवं शनि सरोवर का बड़ा कैचमेंट एरिया था जहां छोटे-छोटे नाले ताप्ती जल मार्ग से जुड़कर वर्षा का जल ताप्ती एवं शनि सरोवर में ले जाते थे किंतु भवन निर्माण प्रारंभ हुआ और परंपरागत नाले समाप्त होते गए ताप्ती जल मार्ग से जुड़ने वाले जलमार्ग का मुहाना भी बंद हो गया और प्रमुख जल मार्ग नाली में तब्दील होते ही एक बड़े क्षेत्र में जल भराव की समस्या होने लगी वर्षा काल प्रारंभ होते ही यह समस्या विकराल हो जाती है । यहां की मुख्य समस्या यहां के लोग भी है वह समस्या का हल तो चाहते हैं किंतु दूसरों की भूमि से इसलिए यह आवश्यक है कि आपसी सामंजस से इस समस्या का हल निकाला जाए।

इनका कहना

जल भराव की समस्या के हल के प्रयास किए जा रहे हैं नगर पालिका के पानी के पंप हाउस से बसंत अतुलकर तक एक नाली का निर्माण किया जाना है दूसरी ओर वार्ड वासियों से चर्चा कर गंदे पानी निकासी के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

योगेश अनेराव
उपयंत्री नगर पालिका मुलताई

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने माँ शारदा देवी के दर्शन किए

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मैहर के अल्प प्रवास के दौरान माँ शारदा देवी मंदिर में दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेशवासियों के कल्याण, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

उप मुख्यमंत्री ने रीवा के मनकामेश्वर शिव मंदिर जीर्णोद्धार कार्य का हुआ भूमिपूजन- उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा के मनकामेश्वर शिव-मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मनकामेश्वर शिव मंदिर के विस्तार से इसे नया स्वरूप मिलेगा। यहाँ भव्य मंदिर बनाया जाएगा। शिव मंदिर के विस्तार से भक्तों को दर्शन में सहूलियत होगी। भक्तों को ध्यान में रखकर विभिन्न सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। निर्माण एजेंसी निर्धारित ड्राइंग डिजाइन के अनुसार मंदिर के विस्तार का कार्य तेजी से कराए। उन्होंने कहा कि जन सहयोग से मंदिर के जीर्णोद्धार और विस्तार का कार्य शुरू किया गया है। उप मुख्यमंत्री ने मंदिर निर्माण में सहयोग देने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया। अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि तथा प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भैरव बाबा मंदिर का शेष निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के दिए निर्देश

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गुढ़ में भैरव बाबा मंदिर में भगवान के दर्शन किए तथा पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंदिर के पुनर्निमाण कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। मंदिर परिसर में बनाए जा रहे सामुदायिक भवन सहित अन्य सौन्दर्यीकरण के कार्यों को समय सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया।

कष्टहरनाथ मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण और सुरक्षा व्यवस्था के दिये निर्देश

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने गुढ़ स्थित कष्टहरनाथ शिव मंदिर में भगवान के दर्शन किए तथा पूजा-अर्चना की। श्री शुक्ल ने मंदिर परिसर का भ्रमण कर सौन्दर्यीकरण कार्य, सोलर लाइट लगाए जाने तथा सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गुढ़ क्षेत्र में स्थित स्वामी बालक रामदास आश्रम पहुंचकर सद्गुरू भगवान के दर्शन किए। उन्होंने आश्रम में सौन्दर्यीकरण कार्यों का अवलोकन किया और आवश्यक व्यवस्थाओं के निर्देश दिये।

दमयंती पाणी को अमलप्रभा सर्वोदय पुरस्कार

भोपाल (नप्र)। वर्ष 2024 का प्रतिष्ठित अमलप्रभा सर्वोदय पुरस्कार मध्यप्रदेश की सामाजिक कार्यकर्ता दमयंती पाणी, गांधी आश्रम, छतरपुर को प्रदान किया जाएगा। असम के सर्वोदय ट्रस्ट के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक में पुरस्कार प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया। 12 नवंबर 2024 को शरणिया

आश्रम, गुवाहाटी में अमलप्रभा दास की 113वीं जन्म जयंती के अवसर पर उन्हें पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इस पुरस्कार में सम्मान पत्र, सरई (असमिया लोक संस्कृति की प्रतीक), इंडी चादर (असम की पारंपरिक रेशम वस्त्र), फुलम खादी गमछा (असम का स्वागत सम्मान वस्त्र) एवं रू 50,000 की नगद राशि सम्मिलित हैं।

दमयंती पाणी छतरपुर जिले में पिछले दो दशक से गांधीवादी रचनात्मक कार्यों में संलग्न रहते हुए जैविक कृषि, स्वावलंबन, कृषि प्रशिक्षण, देशी बीजों का संरक्षण-संवर्धन, गौशाला संचालन तथा देशी नस्ली का संवर्धन, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, महिला उत्थान एवं प्राकृतिक चिकित्सा, युवाओं के विकास तथा बच्चों के सांस्कृतिक विकास के लिए प्रभावी कार्य कर रही हैं। उनके अथक परिश्रम और लगन से गांधी आश्रम जीवंत और सक्रिय होकर कार्य कर रहा है।

एमपी समेत तीन राज्यों की इनामी महिला नक्सली गिरफ्तार

हॉक फोर्स ने घेराबंदी कर पकड़ा, नक्सलियों ने छुड़ाने के लिए की 40 राउंड फायरिंग

बालाघाट (नप्र)। मध्यप्रदेश समेत तीन राज्यों की मोस्ट वांटेड महिला नक्सली एसीएम साजंती को हॉक फोर्स ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर मध्यप्रदेश के साथ छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र सरकार ने 14 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था।

बालाघाट में हॉकफोर्स की टीम ने सर्च ऑपरेशन के दौरान उसे घेराबंदी कर पकड़ा। टीम उसे लेकर आ रही थी। इसी दौरान केबी (कवर्धा-बालाघाट) डिवीजन के अन्य नक्सलियों ने उसे

छुड़ाने के लिए 40 राउंड फायरिंग की। हॉक फोर्स की टीम ने भी जवाबी फायरिंग की। इसके बाद नक्सली अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल में भाग गए। महिला नक्सली के पास पिस्टल, मैगनीज, कुल्हाड़ी और अन्य सामान बरामद किया है। उसके खिलाफ बैहर थाने में 6 गंभीर मामले दर्ज हैं।

चिचरंगपुर के जंगल में दिखे दो संदिग्ध

बालाघाट एसपी नगेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बैहर थाना क्षेत्र में परसाटोला के चिचरंगपुर के जंगल में केबी (कवर्धा-बालाघाट) डिवीजन के नक्सलियों का समूह मौजूद है। इसके बाद हॉक फोर्स के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप को वहां सर्च ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया। सर्चिंग के दौरान टीम को दो संदिग्ध दिखाई दिए। टीम ने घेराबंदी कर हॉर्डकोर नक्सली साजंती को पकड़ लिया। हालांकि एक अन्य नक्सली भाग गया।

भोपाल में प्रभारी मंत्री की फिर कैंसिल हुई मीटिंग

तीसरी बार टली मंत्री चैतन्य कश्यप की बैठक; विकास कार्यों की करने वाले थे समीक्षा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के प्रभारी मंत्री चैतन्य कश्यप की आज, शुक्रवार को होने वाली बैठक फिर कैंसिल हो गई है। प्रभार मिलने के बाद यह उनकी पहली मीटिंग थी, लेकिन तीसरी बार कैंसिल हो गई। इससे पहले 30 अगस्त और 4 सितंबर को मीटिंग प्रस्तावित थी। इसमें वे कार्यों की समीक्षा करने वाले थे।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री काश्यप की अध्यक्षता में दोपहर 12 बजे से कलेक्टोरेट में जिले की समीक्षा बैठक होने वाली थी, लेकिन इसके कुछ घंटे पहले सूचना मिली कि मंत्रीजी आज भी बैठक नहीं कर पाएंगे। इससे जिला प्रशासन की तैयारियां धरी की धरी रह गई। बताया जाता है कि मंत्री उज्जैन में हैं। इसके चलते मीटिंग को स्थगित किया गया।

इनकी करने वाले थे समीक्षा

बैठक में मंत्री काश्यप राजस्व महाअभियान, जल जीवन मिशन, पौधारोपण अभियान, सीएम राइज स्कूल, अमृत 2.0, मौसमी बीमारियां, निर्माण कार्य एवं समसामायिक विषयों की समीक्षा करने वाले थे। संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौजूद रहने को कहा गया था।

मीटिंग में सड़कों का मुद्दा उठाने वाले थे जनप्रतिनिधि- भोपाल कलेक्टोरेट में करीब एक साल बाद प्रभारी मंत्री की मीटिंग होगी। पिछले साल विधानसभा चुनाव के पहले तत्कालीन प्रभारी मंत्री भूपेंद्र सिंह की मौजूदगी में समीक्षा बैठक की गई थी। इस मीटिंग में जिला पंचायत के जनप्रतिनिधि गांवों की जर्जर सड़कों का मुद्दा भी उठाने वाले थे। जिपं सदस्य विनय मेहर सड़कों के सुधार को लेकर पीडब्ल्यूडी मंडी राकेश सिंह को आवेदन भी दे चुके हैं। शहर की सड़कें भी काफी खस्ताहाल है।

उज्जैन में महिला से फुटपाथ पर रेप

दूसरा व्यक्ति वीडियो बनाता रहा, प्रियंका गांधी बोलीं- पवित्र भूमि पर ऐसी घटना से मानवता कलंकित

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में एक महिला के साथ सरेराह रेप हुआ। आरोपी ने शहर के कोयला फाटक चौराहे के फुटपाथ पर महिला के साथ दुष्कर्म किया। किसी शख्स ने इस वारदात का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

घटना बुधवार की बताई जा रही है। गुरुवार को वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने इस पर संज्ञान लिया है। कोतवाली सीएसपी ओम प्रकाश मिश्रा ने बताया कि पीड़ित महिला को थाने लाया गया। उसकी शिकायत पर एफआईआर की गई है। आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है।

पुलिस को वीडियो बनाने वाले की तलाश- पुलिस को अब रेप का वीडियो बनाने वाले शख्स की तलाश कर रही है। मीडिया की पड़ताल में पता चला कि जिस युवक ने वीडियो बनाया, वो नागदा से आई बस से कोयला फाटक चौराहे पर उतरा था। जिसके बाद वो पेट्रोल पंप की ओर आया। इस बीच उसने रेप की वारदात का वीडियो बनाया और उज्जैन के कुछ सोशल मीडिया ग्रुप में अपलोड कर दिया था।

पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज और लोगों से पूछताछ कर युवक की तलाश कर रही है। पता चला है कि पुलिस ने इस युवक का मोबाइल नंबर ट्रैस कर लिया है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जाएगी।

प्रियंका बोलीं-ऐसी घटना से मानवता कलंकित हुई- इस घटना को लेकर कांग्रेस एक बार फिर प्रदेश सरकार पर हमलावर हो गई है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पर लिखा- उज्जैन की पवित्र भूमि पर ऐसी घटना से मानवता कलंकित हुई है।

महिला ने कहा- शराब पिलाई, फिर रेप किया- पीड़ित महिला भीख मांगकर गुजारा करती है। उसने पुलिस को आरोपी का नाम लोकेश बताया है। आरोपी उसे कोयला फाटक के पास मिला था। उसने शादी का झांसा देकर पहले शराब पिलाई, फिर नशे की हालत में उसके साथ गलत काम किया। इसके बाद धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी रेप करता रहा, किसी ने बना लिया वीडियो- कोयला फाटक उज्जैन के सबसे व्यस्ततम इलाकों में से एक है। इसी सड़क पर चरक अस्पताल, पेट्रोल पंप और शराब की दुकान भी है। वारदात के दौरान किसी ने इसका वीडियो बना लिया। लेकिन आरोपी को रोकने की कोशिश नहीं की।

मजदूरी-सब्जी बेचने का काम करता है आरोपी

सीएसपी ओपी मिश्रा ने कहा कि वारदात बुधवार दोपहर 2 से 3 बजे के बीच की है। चिमनगंज थाना क्षेत्र में एक मंदिर के आसपास रहने वाली 45 वर्षीय महिला कचरा-प्लास्टिक बीनने का काम करती है। उसने पुलिस को बताया कि बुधवार दोपहर वह कोयला फाटक के पास कचरा बीन रही थी तभी उसे एक युवक मिला। उसने अपना नाम लोकेश बताया। लोकेश ने महिला को बहला-फुसला कर शराब पिलाई। कहा- मैं तुमसे शादी करूंगा। अपने साथ रखूंगा। इसके बाद वह महिला को बहाने से सड़क पर लगे डस्टबिन की आड़ में ले गया और फुटपाथ पर ही महिला से दुष्कर्म किया।

मिश्रा ने बताया- गुरुवार को आरोपी लोकेश (28) पिता ओंकारलाल लहोरिया निवासी राजीव नगर आगर रोड को गिरफ्तार कर लिया गया। वह मजदूरी करने के साथ फेरी लगाकर सब्जी बेचने का काम करता है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

वीडियो बनाने वाले को तलाश रही पुलिस

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने कहा- वीडियो बनाने वाले व्यक्ति की भी तलाश की जा रही है। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रोजगार की तलाश में 8 साल पहले उज्जैन आया था परिवार

पीड़िता का परिवार रोजी-रोटी की तलाश में करीब 8 साल पहले उज्जैन आया था। महिला का 18 वर्षीय बेटा भी है, जो कोतवाली थाना क्षेत्र में रहता है। वह मजदूरी करता है। उसने पुलिस को बताया कि मां को वह अपने साथ रहने का कहता है लेकिन वह बार-बार बिना बताए कहीं चली जाती है। फिलहाल, पुलिस ने पीड़िता को बेटे के साथ उसके घर भेज दिया है।

पटवारी बोले- उज्जैन एक बार फिर कलंकित

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एक्स पर लिखा, धर्मनगरी उज्जैन एक बार फिर कलंकित हुई है। इस बार भी काला टीका उज्जैन की कानून-व्यवस्था के माथे पर ही लगा है।

कमलनाथ बोले- प्रदेश की कानून-व्यवस्था ठप

कमलनाथ ने कहा- पूरे मध्यप्रदेश में महिलाओं के साथ ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। प्रदेश की कानून-व्यवस्था पूरी तरह ठप हो चुकी है। कमलनाथ ने बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा के बयान पर पलटवार भी किया। उन्होंने कहा- वीडी शर्मा कुछ भी कहते रहें, इससे क्या होता है... इन पूरे मामलों की गवाह तो प्रदेश की जनता है।

नया सीएस बनने से पहले सुलेमान

कर्मचारी चयन मंडल (व्यापमं) के अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे

भोपाल (नप्र)। नए मुख्य सचिव के लिए 15 सितम्बर तक नाम सामने आने के कयासों के बीच मोहन यादव सरकार ने अपर मुख्य सचिव मो. सुलेमान को मंत्रालय के बाहर पदस्थ कर दिया है। अब वे कर्मचारी चयन मंडल (व्यापमं) के अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे। उधर नए मुख्य सचिव के नाम को लेकर अब जल्दी ही फिर अटकलों का दौर शुरू होने वाला है।

अगस्त में किए गए तबादले में अपर मुख्य सचिव मो. सुलेमान को कृषि उत्पादन आयुक्त बनाए जाने के बाद ही यह संभावना जताई जाने लगी थी कि जल्दी ही उन्हें मंत्रालय से बाहर पदस्थ किया जा सकता है। इस पर अब अमल भी हो गया है। सुलेमान को कर्मचारी चयन मंडल के अध्यक्ष संजय बंदोपाध्याय के 31 अगस्त को रिटायर होने के बाद अब कर्मचारी चयन मंडल का नया अध्यक्ष बनाया गया है। सुलेमान के पास कर्मचारी चयन मंडल अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार अभी रहेगा। सुलेमान को मंत्रालय से बाहर पदस्थ किए जाने के बाद अब वे मुख्य सचिव पद की दौड़ से पूरी तरह बाहर माने जा रहे हैं।

तीन दिन दबाए रखा जीएडी ने आदेश- एसीएस मो. सुलेमान को कर्मचारी चयन मंडल का अध्यक्ष पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपने का आदेश तीन सितम्बर को जारी हो गया था लेकिन जीएडी के अफसर इसे तीन दिन तक दबाए रहे। आज सुबह से सुलेमान को अध्यक्ष की जिम्मेदारी देने की चर्चा सामने आई तो जीएडी ने यह आदेश सार्वजनिक किया।

तीस सितम्बर को खत्म होगा वीरा का कार्यकाल- मुख्य सचिव वीरा राणा का छह माह का एक्सटेंशन तीस सितम्बर को खत्म होने वाला है। यह भी माना जा रहा है कि अब उन्हें एक्सटेंशन नहीं दिलाया जाएगा। ऐसे में नए मुख्य सचिव के नाम पर 15 सितम्बर तक मुहर लगने की उम्मीद है। इस दौड़ में सबसे आगे केंद्र में पदस्थ अनुराग जैन का नाम है। इसके बाद मुख्यमंत्री कार्यालय के अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा का नाम है। अन्य दावेदारों में एसएन मिश्रा, विनोद कुमार, जेएन कंसोटिया हैं। विनोद कुमार पहले से मंत्रालय से बाहर हैं, इसलिए वे भी दौड़ में शामिल नहीं रह गए हैं। एसएन मिश्रा का जनवरी 2025 में रिटायरमेंट है। इसलिए दौड़ में होने के बाद भी संभावना कम जताई जा रही है।

नदी में बही कार, लोगों ने दौड़कर युवक को बचाया

उज्जैन-रतलाम में हल्की बारिश; दो जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन यानी 10 सितंबर तक तेज बारिश का दौर थमा रहेगा। इसकी वजह किसी स्ट्रॉन्ग सिस्टम का एक्टिव नहीं होना है। शुक्रवार को उज्जैन और रतलाम में हल्की बारिश हुई। इधर, मुरैना में पुलिया से कार निकालते समय एक कार तेज बहाव में बह गई। कार एक किमी दूर जाकर रूकी। ग्रामीणों ने दौड़कर कार सवार युवक को बचाया।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया- अभी प्रदेश से एक मानसून ट्रफ लाइन गुजर रही है। इस कारण 10 सितंबर तक तेज बारिश की संभावना नहीं है। लोकल सिस्टम की वजह से पूर्वी हिस्से के कुछ जिलों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो रही है। अगले 24 घंटे में यह दौर थमेगा। शुक्रवार को उज्जैन और रतलाम में हल्की बारिश हुई। यादव ने कहा- शुक्रवार को सिर्फ डिंडौरी और बालाघाट में तेज बारिश हो सकती है। बाकी जिलों में धूप-छांव और हल्की बारिश ही रहेगी।उधर, शुक्रवार सुबह डिंडौरी के धीरवन गांव में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से चरवाहे चंद्र सेन समेत तीन मवेशियों की मौत हो गई।

दो बदमाशों ने 15 मिनट में 20 यात्रियों को लूटा

छतरपुर में बस में तीन फायर किए; 5 घंटे के अंदर लुटेरे गिरफ्तार

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर के खजुराहो में दो बदमाशों ने यात्री बस में लूट की वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने हाथ देकर बस को रुकवाया। उसमें चढ़कर कट्टा लहराया, फायरिंग की और यात्रियों से पैसे-गहने छीन लिए। घटना के 5 घंटे के भीतर पुलिस ने दोनों लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है।

वारदात शुक्रवार सुबह करीब सवा 7 बजे राजनगर थाना क्षेत्र में कूटने डैम के पास की है। बस छतरपुर के लवकुश नगर से सतना जा रही थी। इसमें 20 यात्री थे। लूट के दौरान बदमाशों ने तीन हवाई फायर किए। 15 मिनट में वारदात को अंजाम देकर भाग निकले। बाइक थोड़ी दूर छोड़ गए।

हाथ दिया तो सवारी समझकर बस रोकी- ड्राइवर किशोरी कुशवाहा ने कहा- दोनों लुटेरों ने हाथ दिया तो हमने सवारी समझकर बस रोक दी। वे दोनों बस में चढ़ आए। अचानक एक ने कट्टा निकाल लिया। वे गाली-गलौज करते हुए फोन न करने की धमकी देने लगे। आगे की सीट पर बैठी महिलाओं से जेवर और कैश छीन लिया। विरोध करने पर कट्टे

से हवाई फायर किए।

कंडक्टर समीर अली ने बताया- आखिरी में लुटेरे मेरे पास आए और कैश लेकर खेत की तरफ भाग गए। हमने उतरकर देखा तो उनकी बाइक वहीं खड़ी थी। उसका नंबर नोट कर हम थाने में शिकायत करने पहुंचे। यात्रियों ने कहा- दोनों लुटेरे इसी बाइक पर आए थे। वारदात के बाद गाड़ी छोड़कर भाग गए।

बाइक की किस्त देने के लिए की लूट- एसपी अगम जैन ने बताया कि राजनगर थाना पुलिस ने लूट को अंजाम देने वाले आरोपी राहुल तिवारी (22) और राजेंद्र पटेल (20) को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी अतर्रा गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से घटना में इस्तेमाल किया कट्टा और बाइक भी जब्त की है।

पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि इनमें से एक आरोपी ने बाइक खरीदी थी। जिसकी किस्त जमा करनी थी। वहीं दूसरे व्यक्ति ने बाइक गिरवी रखी थी। उसे छुड़वाना थी। लिहाजा दोनों आरोपी ने लूट की प्लानिंग की थी। आरोपी राजेंद्र पटेल ने बताया कि उसकी बाइक गिरवी रखी हुई थी, अगर वह तीन दिन में पैसे नहीं देता तो बाइक जब्त हो जाती, इसीलिए ऐसा किया।

दोनों ने गमछे से ढंक रखे थे मुंह

बस में मौजूद अवधेश पटेल ने बताया, एक बदमाश ने काली और दूसरे ने ग्रे शर्ट पहनी थी। दोनों ने गमछे से मुंह को कवर किया था। वे खेत से जंगल की तरफ भागे। हमने बस से उतरकर उनका वीडियो बनाने की कोशिश की तो उन्होंने जान से मारने की धमकी दी।

बच्चे के हाथ से 50 रुपए भी छीन लिए

यात्रियों ने पुलिस को बताया- लुटेरे प्लेटिना बाइक पर आए थे। एक बदमाश ने कट्टा दिखाया जबकि दूसरा हमें धमकाकर जेवर, कैश और मोबाइल छीनने लगा। उसने एक बच्चे से हाथ से 50 रुपए भी छीन लिए।

एक महिला यात्री ने कहा- मैं राजनगर जाने के लिए बस में चढ़ी थी। लुटेरों ने मेरा मंगलसूत्र, मेरी बेटी की सोने की चेन और मेरे पास रखे 20 हजार रुपए छीन लिए। रुपए मैंने बेटी के इलाज के लिए रखे थे।